Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 80
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
सोमवार,20 अक्टूबर 2025

# मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 सीएम योगी से मिले बीकेटी विधायक ,भू-माफियाओं 4 संकल्प से सिद्धि की ओर अग्रसर माओवाद का समापन 5 दिवाली पर राधिका मर्चेंट का ट्रेडिशनल स्टाइल

## अयोध्या में पर्यटन मंत्री ने रामायण काल की जीवंत झांकियों को जय श्रीराम का ध्वज लहराकर किया रवाना

**अयोध्या (एजेंसी)।** भगवान श्रीराम की पावन नगरी अयोध्या में दीपोत्सव 2025 के तहत रविवार को रामायण काल की झांकियों का अद्भुत संगम देखने को मिला। जैसे ही पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने ढोल नगाड़े बजाकर साकेत महाविद्यालय परिसर से झांकियों को जय श्री राम का ध्वज लहराकर रवाना किया, पूरा वातावरण जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा। इन झांकियों के रामपथ पर पहुंचते ही लगा मानो त्रेता युग का वैभव और मयार्दा वर्तमान में लौट आई हो। अयोध्या सांस्कृतिक शोभायात्रा के दौरान पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 2017 से लगातार भगवान राम की पावन धरती पर दीपोत्सव का कार्यक्रम दिव्यता, भव्यता, अलौकिकता के साथ मनाया जा रहा है। पर्यटन मंत्री ने कहा कि सीएम योगी के नेतृत्व में हर बार हम अपना ही रिकॉर्ड तोड़कर नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। इस बार तीन नए कीर्तिमान बनेंगे। दिए की संख्या का रिकॉर्ड बनेगा तो 1100 ड्रोन एक साथ करतब दिखाएंगे। 2100 से ज्यादा विद्वान एक साथ सरयू जी की आरती करेंगे। पर्यटन मंत्री ने कहा कि हमारा देश राम राज्य की संकल्पना को साकार कर विश्व की अगुवाई करेगा और विकसित देश बनेगा। उन्होंने कहा कि मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की धरती पर आज उत्तर प्रदेश सरकार दीपोत्सव के नवें संस्करण का आयोजन दिव्यता, भव्यता के साथ कर रही है। झांकियों की भी अलौकिकता और दिव्यता यहां दिखाई देगी। पर्यटन मंत्री ने प्रदेश सरकार की ओर से सभी देशवासियों और पूरे विश्व में सनातन को मानने वाले लोगों को इस दीपोत्सव के पवित्र अवसर पर बधाई दी। रामकथा पार्क के लिए रवाना हुईं भव्य झांकियां सूचना विभाग, अयोध्या डेवलपमेंट अथॉरिटी और पर्यटन-संस्कृति विभाग की कुल मिलाकर 22 झांकियां जैसे ही रामपथ से गुजरीं, श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। सजीव पात्रों और आधुनिक तकनीक से सजी इन झांकियों ने श्रीराम के जीवन और रामायण के सातों कांडों बालकांड, अयोध्याकांड, अरण्यकांड, किष्किन्धाकांड, सुंदरकांड, लंकाकांड और उत्तरकांड को साकार कर दिया। हर झांकी अपनी कथा कहती नजर आई, कहीं राम जन्म का उल्लास था, तो कहीं लंका विजय का पराक्रम। कलाकारों ने संगीत, नृत्य और अभिनय के माध्यम से त्रेता युग की मयार्दा, भक्ति और आदर्शों को जीवंत कर दिया। विकसित उत्तर प्रदेश और सांस्कृतिक विरासत की झलक सूचना विभाग की झांकियों में योगी सरकार की उपलब्धियों का चित्रण किया गया। प्रयागराज महाकुंभ, काशी कॉरिडोर, डिफेंस कॉरिडोर, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, स्वच्छ और हरित उत्तर प्रदेश, आत्मनिर्भर नारी, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, आयुष्मान कैशलेस जैसी योजनाओं की झलक देखने को मिली।

## रजत जयंती पर विधानसभा का विशेष सत्र, राष्ट्रपति को किया आमंत्रित, पीएम मोदी के भी आने की उम्मीद

राष्ट्रपति के दून पहुंचने पर सहमति बन चुकी है। विधानसभा सत्र की तिथियां निर्धारित होने के बाद राष्ट्रपति के दौरे की तिथियां भी तय हो जाएंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भी राज्य स्थापना के रजत जयंती समारोह में शामिल होने की संभावना है। अधिकारियों के मुताबिक पीएम मोदी के दौरे पर भी सहमति तो बन चुकी है लेकिन अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। माना जा रहा है कि जल्द ही स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। विशेष सत्र की तैयारी में जुटा विधानसभा सचिवालय विधानसभा सचिवालय विशेष सत्र की तैयारी में जुटा हुआ है। मकसद ये है कि चूंकि प्रदेश की स्थापना के रजत जयंती पर यह सत्र हो रहा है, यह भव्य होना चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण लगातार इसकी तैयारी की निगरानी कर रही हैं।

**देहरादून (एजेंसी)।** उत्तराखंड राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने पर आयोजित होने जा रहे विधानसभा के विशेष सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शामिल हो सकती हैं। इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। वह सदन को संबोधित करेंगी। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भी रजत जयंती समारोह में शामिल होने की संभावना है। नौ नवंबर को उत्तराखंड अपनी स्थापना के 25 साल पूरे करने जा रहा है। ऐसे में राज्य सरकार इसे रजत जयंती वर्ष के रूप में मनाएगी। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में नवंबर में ही विधानसभा का दो दिवसीय विशेष सत्र आहूत होगा, जिस पर कैबिनेट में मुहर लग चुकी है। इस सत्र की तिथियों के निर्धारण के लिए कैबिनेट ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को अधिकृत किया है। जल्द ही तिथियां भी तय हो जाएंगी। दो दिन के सत्र में राज्य के अब तक की उपलिब्धयों, भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा होगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू विधानसभा के विशेष सत्र में शामिल हो सकती हैं। वह सत्र को संबोधित भी कर सकती हैं। हालांकि अभी उनके कार्यक्रम पर अंतिम मुहर नहीं लगी लेकिन अधिकारियों का कहना है कि

## दिल्ली में न्यूनतम तापमान 20.6 डिग्री सेल्सियस, इन इलाकों में सांस लेना हुआ दूभर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली में रविवार को न्यूनतम तापमान 20.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो मौसम के औसत तापमान से 2.2 डिग्री अधिक है। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। सुबह 8.30 बजे सापेक्षिक आद्रता 71 प्रतिशत रही। आईएमडी में दिन में आसमान साफ रहने की संभावना जताई है, अधिकतम तापमान 33 डिग्री के आसपास रह सकता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सुबह 9 बजे 284 रहा जोकि खराब श्रेणी में आता है। दिल्ली के 38 निगरानी केंद्रों में से 12 में वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में दर्ज की गई। सीपीसीबी के आंकड़ों के अनुसार आनंद विहार में सबसे अधिक एक्यूआई दर्ज किया गया जो 430 रहा, वहीं वजीरपुर में एक्यूआई 364, विवेक विहार में 351, द्वारका में 335, आरके पुरम में 323, सिरी फोर्ट, दिलशाद गार्डन और जहांगीरपुरी में 318, पंजाबी बाग में 313, नेहरू नगर में 310, अशोक विहार में 305 और बवाना में 304 दर्ज किया गया। वायु गुणवत्ता सूचकांक शून्य से 50 के बीच अच्छा, 51 से 100 के बीच को संतोषजनक, 101 से 200 के बीच को मध्यम, 201 से 300 के बीच को खराब, 301 से 400 के बीच को बहुत खराब और 401 से 500 के बीच को गंभीर माना जाता है।

## देश में 8.82 लाख आदेश अधर में, सुप्रीम कोर्ट ने जताई गहरी नाराजगी; कर्नाटक हाईकोर्ट से जवाब तलब

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** देश की सर्वोच्च अदालत ने देशभर में लंबित पड़े 8.82 लाख से ज्यादा 'निष्पादन याचिकाओं' (अदालती आदेशों को लागू करवाने के लिए दायर याचिकाएं) पर सख्त नाराजगी जताई है। अदालत ने कहा कि ये स्थिति बेहद निराशाजनक और चिंताजनक है। क्या हैं निष्पादन याचिकाएं? जब किसी नागरिक विवाद में अदालत कोई फैसला दे देती है और हारने वाला पक्ष उस आदेश को मानने से इनकार कर देता है, तब विजेता पक्ष अदालत में निष्पादन याचिका दायर करता है ताकि आदेश लागू हो सके। यानी यह प्रक्रिया अदालत के आदेश को जमीन पर उतारने की होती है। सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस पंकज मित्तल की पीठ ने कहा, 'अदालत का आदेश अगर वर्षों तक लागू ही न हो सके, तो फिर ऐसे आदेश का कोई मतलब नहीं रह जाता। यह न्याय का मजाक बन जाएगा।' अदालत ने बताया कि कुल

8,82,578 निष्पादन याचिका लंबित हैं। मार्च 2024 से अब तक लगभग 3.38 लाख मामलों का निपटारा हुआ, लेकिन बाकी अब भी अटके हुए हैं। कोर्ट ने सभी हाईकोर्टों से कहा कि वे जिला अदालतों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दें ताकि पुराने मामलों को जल्द निपटाया जा सके। कर्नाटक हाईकोर्ट पर नाराजगी कर्नाटक हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट को जरूरी आंकड़े नहीं भेजे। इस पर कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि रजिस्ट्रार जनरल दो हफ्तों में जवाब दें कि जानकारी क्यों नहीं दी गई। 6 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि सभी हाईकोर्ट सर्कुलर जारी करें। निष्पादन याचिका छह महीने में निपटाई जाएं। अगर कोई देरी होती है तो संबंधित जज जिम्मेदार माने जाएंगे। कोर्ट ने मामला 10 अप्रैल 2026 को दोबारा सुनने का समय तय किया है। तब तक सभी हाईकोर्ट को लंबित और निपटाए गए मामलों के पूरे आंकड़े देने होंगे। क्या है पूरा मामला? तमिलनाडु के अय्यावू उदयार ने 1980 में जमीन खरीदने का समझौता किया था। 1986 में केस दाखिल हुआ। 2004 में आदेश के बाद भी जमीन का कब्जा नहीं मिला। 2008 में कब्जे का आदेश हुआ, पर अमल फिर भी नहीं हुआ। आखिरकार मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा।

## रक्षामंत्री ने राजधानी को दीं कई सौगातें, जानकीपुरम में कम्युनिटी सेंटर और लाइब्रेरी का उद्घाटन किया

**लखनऊ (एजेंसी)।** रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ को कई सौगातें दीं। उन्होंने जानकीपुरम में कम्युनिटी सेंटर और लाइब्रेरी का उद्घाटन किया। इसके अलावा भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी और पूर्व दिवंगत राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम की प्रतिमाओं का अनावरण किया। राजनाथ सिंह रविवार को लगातार तीसरे दिन लखनऊ में हैं। जानकीपुरम सेक्टरद्दएफ में आयोजित कार्यक्रम में देश के रक्षा मंत्री सांसद राजनाथ सिंह ने कहा लखनऊ के विकास के प्रति हमारी पूरी प्रतिबद्धता है। हमारी कोशिश है कि लखनऊ को विश्वस्तरीय शहर बनाया जाए। हम प्रयास कर रहे हैं कि लखनऊ एयरपोर्ट दुनिया के अधिकांश देशों से सीधा जुड़ सके। ब्रह्मोस मिसाइल का कारखाना लखनऊ में स्थापित हो चुका है, जो शहर के औद्योगिक विकास में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि आज जिस सामुदायिक विकास केंद्र का उद्घाटन किया गया है, वह समाज के उत्थान की दिशा में बड़ा कदम है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) यहां जिस तरह का काम कर रहा है, वह सराहनीय है। नासिक में भी एचएएल ने उल्लेखनीय कार्य किए हैं। रक्षा मंत्री ने इस अवसर पर लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा निर्मित भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की प्रतिमाओं का डिजिटल माध्यम से अनावरण किया। इसके साथ ही सेक्टर एफ में सामुदायिक केंद्र और सेक्टरद्द6 में पुस्तकालय का लोकार्पण भी किया गया। महानगर के विभिन्न स्थानों पर 250 से अधिक नए ओपन जिम की स्थापना के कार्य का शिलान्यास भी किया। राजनाथ सिंह ने कहा, अटलजी के विचारों में संवेदनशील नेतृत्व और जनसेवा की भावना झलकती थी, वहीं डॉ. कलाम ने विज्ञान को आत्मनिर्भर भारत का आधार बनाया। नई पीढ़ी को चाहिए कि वह इन दोनों महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दे। रक्षा मंत्री ने कहा, विज्ञान, शिक्षा और स्वावलंबन- यही तीन स्तंभ हैं जिन पर भारत को विश्वगुरु बनने की राह पर आगे बढ़ना है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कार्यक्रम में कहा, सभी प्रदेशवासियों को दीपावली की हार्दिक बधाई।

## गाजीपुर में गंगा स्नान बना हादसा, 3 लड़कियां गंगा में डूबीं तलाश जारी

**गाजीपुर (एजेंसी)।** उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले से एक दर्दनाक खबर सामने आई है। कार्तिक महीने में गंगा स्नान की परंपरा के तहत नहाने गई तीन लड़कियां गंगा में डूब गईं। फिलहाल तीनों का अभी तक कोई पता नहीं चल सका है। घटना करंडा थाना क्षेत्र के अमवा गंगा घाट की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि गंगा में स्नान के दौरान एक के बाद एक तीन लड़कियां गहरे पानी में चली गईं। हालांकि, उनके साथ स्नान कर रही कई अन्य लड़कियों को स्थानीय महिलाओं और ग्रामीणों ने हिम्मत दिखाते हुए बचा लिया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों की भारी भीड़ घाट पर जुट गई, वहीं पुलिस भी तुरंत मौके पर पहुंची और लापता लड़कियों की तलाश के लिए गोताखोरों की मदद ली जा रही है।

## 'महाराष्ट्र में 96 लाख फर्जी वोटर'

### निकाय चुनाव से पहले राज ठाकरे का बड़ा हमला; ECI से की यह मांग

**मुंबई (एजेंसी)।** महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने महाराष्ट्र में 96 लाख फर्जी वोटर जोड़े जाने का गंभीर आरोप लगाया है और चेतावनी दी है कि अगर वोटर लिस्ट को साफ नहीं किया गया, तो स्थानीय निकाय चुनावों की पारदर्शिता पर सवाल उठेंगे। उन्होंने चुनाव आयोग को खुली चुनौती दी, 'पहले मतदाता सूची साफ करें, फिर चुनाव कराएं।' बूथ एजेंटों की बैठक में तीखा हमला मुंबई में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए

राज ठाकरे ने कहा, 'अगर फर्जी वोटरों के सहारे चुनाव होंगे, तो यह महाराष्ट्र के मतदाताओं का सबसे बड़ा अपमान होगा।' उन्होंने दावा किया, मुंबई में 8 से 10 लाख, ठाणे, पुणे और नासिक में 8 से 8.5 लाख और बाकी अन्य जिलों में लाखों फर्जी नाम जोड़े गए हैं। फर्जी वोट की शिकायत को लेकर विपक्ष एकजुट हाल ही में शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस, एनसीपी-एसपी और मनसे समेत कई विपक्षी दलों ने राज्य निर्वाचन आयोग से शिकायत की थी। उनका कहना है कि मतदाता सूचियों में डुप्लिकेट नाम, फर्जी पते और गड़बड़ियां पाई गई हैं। विपक्ष चाहता है कि 31 जनवरी 2026 से पहले होने वाले ग्रामीण और शहरी निकाय चुनावों से पहले इन सूचियों में सुधार किया जाए। निर्वाचन आयोग का पक्ष और भाजपा पर अप्रत्यक्ष वार महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग ने कहा, कोई भी राजनीतिक दल वोटर लिस्ट में छेड़छाड़ नहीं कर सकता। वोटर लिस्ट को अपडेट करने की प्रक्रिया सुरक्षित तरीके से चल रही है। वहीं राज ठाकरे ने बिना नाम लिए भाजपा पर तंज कसा, उन्होंने कहा, 'यह मायने नहीं रखता कि आप वोट डालते हैं या नहीं, मैच तो पहले ही फिक्स हो चुका है।'

## बिहार चुनाव: एआईएमआईएम ने जारी की लिस्ट , 25 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की

**पटना (एजेंसी)।** बिहार विधानसभा चुनाव के लिए सांसद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने रविवार को 25 उम्मीदवारों की सूची जारी की है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान को अमौर से चुनावी मैदान में उतारा गया है। एआईएमआईएम इस चुनाव में सीमांचल के अलावा अन्य क्षेत्रों से भी उम्मीदवारों को उतारा है। सूची के मुताबिक, अमौर से अख्तरुल ईमान को पार्टी ने प्रत्याशी बनाया है, तो बलरामपुर से आदिल हसन को, ढाका से राणा रंजीत सिंह को,

जोकीहाट से मुरशिद आलम, बहादुरगंज से तौसीफ आलम, ठाकुरगंज से गुलाम हसनैन, किशनगंज से एडवोकेट शम्स आगाज, बैसी से गुलाम सरवर, शेरघाटी से शान-ए-अली खान, नाथनगर से मोहम्मद इस्माइल, सीवान से मोहम्मद कैफ, केओटी से अनीसुर रहमान, जाले से फैसल रहमान, सिकंदरा से मनोज कुमार दास और मुंगेर से डॉ. मुनाजिर हसन को उम्मीदवार बनाया है। नरकटिया से शमीमुल हक को, और गोपालगंज से अनस सलाम को टिकट दिया गया है। इसके अलावा पार्टी ने

## बिहार: चुनावी टिकट न मिलने पर जमकर मचा हंगामा, कुर्ता फाड़कर रोया, पार्टी पर लगाया टिकट बेचने का गंभीर आरोप

**पटना (एजेंसी)।** बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले सियासी माहौल गरमाया हुआ है। महागठबंधन में शामिल राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) और कांग्रेस के बीच टिकट बंटवारे को लेकर तनाव बढ़ता जा रहा है। इसी बीच, मोतिहारी की मधुबन सीट से टिकट की उम्मीद लगाए बैठे एक आरजेडी नेता ने टिकट न मिलने पर लालू-राबड़ी आवास के बाहर जमकर हंगामा किया। नाराज नेता ने अपना कुर्ता फाड़कर और जमीन पर लेटकर फूट-फूटकर रोते हुए पार्टी पर टिकट बेचने

का सनसनीखेज आरोप लगाया। मधुबन विधानसभा सीट से दावेदारी कर रहे आरजेडी नेता मदन शाह ने पटना में लालू प्रसाद यादव के आवास, 10 सर्कुलर रोड, के बाहर यह नाटकीय प्रदर्शन किया। 2020 में भी वे इस सीट से पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ चुके हैं, लेकिन मात्र 2,000 वोटों से हार गए थे। इस बार भी उन्हें टिकट मिलने की पूरी उम्मीद थी, लेकिन पार्टी ने उनकी जगह डॉ. संतोष कुशवाहा को टिकट दे दिया। इससे आहत मदन शाह ने सड़क पर कुर्ता फाड़कर और रोते हुए अपना गुस्सा जाहिर किया। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने उनका वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

## सरकार बाढ़ प्रभावित किसानों की मदद के लिए प्रतिबद्ध, उनकी दिवाली खराब नहीं होने देंगे: शिंदे

**महाराष्ट्र (एजेंसी)।** महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि सरकार राज्य के बाढ़ प्रभावित किसानों को मुआवजा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और उनकी दिवाली फीकी नहीं होने देगी। राज्य में आगामी स्थानीय निकाय चुनाव के लिए उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के बीच गठबंधन की अटकलों पर शिंदे ने शनिवार को कहा कि जो लोग अपने सिद्धांतों पर अडिग नहीं रहेंगे उन्हें जनता नकार देगी। उन्होंने

कहा, कुछ नेता कह रहे थे कि अगर दो ठाकरे एक साथ आ गए तो कमाल हो जाएगा। लेकिन ठाणे की जनता उन्हें दिखा देगी कि कौन मालिक है। जो लोग अपने सिद्धांतों पर अडिग नहीं रहेंगे उन्हें जनता नकार देगी। ठाणे में अपनी पार्टी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिंदे ने कहा, दिवाली शुरू हो गई है और हम इसे खुशी से मना रहे हैं। लेकिन इन खुशियों के बीच मराठवाड़ा में बाढ़ के कारण दुख है और किसान रो रहे हैं। उन्होंने मराठवाड़ा बाढ़ पर अपनी पार्टी की तत्काल प्रतिक्रिया पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिवसेना कार्यकर्ताओं को आपदा राहत को प्राथमिकता देने के लिए विशेष निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा, हमारे कार्यकर्ता प्रभावित इलाकों में गए और हमने उनसे दशहरा रैली (मुंबई में) में नहीं आने और वहीं रहकर किसानों की मदद करने को कहा। हमने प्रभावित लोगों को सहायता किट भेजीं और उनकी मदद की। मुझे गर्व है कि हमारे कार्यकर्ता जरूरत के समय किसानों के साथ खड़े रहे। शिंदे ने कहा कि प्रभावित लोग अच्छे से दिवाली मना सकें इसके लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस नीत महायुति सरकार वित्तीय सहायता देने में तेजी लाई है।

## लुधियाना में कारोबारी के घर 15 राउंड फायरिंग,5 करोड़ की फिरौती मांगी

**लुधियाना (एजेंसी)।** पंजाब के लुधियाना में बाइक सवार बदमाशों ने एक रियल स्टेट कारोबारी के घर पर फायरिंग कर दी। गोलियां लगने से बालकनी के शीशे टूट गए। मौके से एक पर्ची मिली है, जिसमें कौशल चौधरी ग्रुप और 5 करोड़ लिखा हुआ है। कारोबारी नंदलाल ने इसकी शिकायत पुलिस को दी। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके की नाकेबंदी कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, ताकि बदमाशों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जा सके। अभी फायरिंग करने वालों का सुराग नहीं लग पाया है। नंदलाल 2006 में सेना से सूबेदार पद से रिटायर हुए थे और अब लुधियाना में रियल एस्टेट का कारोबार करते हैं। उनके 2 बेटे हैं, जिनमें एक डॉक्टर और दूसरा बैंक मैनेजर है। बाइक पर आए बदमाश, जीएनई कॉलेज की ओर भागे रू प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, घटना रविवार सुबह 3 बजे की है। बदमाश बाइक पर सवार थे और लोहारा पुल की दिशा से आए थे। फायरिंग के बाद वे जीएनई कॉलेज की ओर भाग निकले।कारोबारी नंद लाल ने कहा कि घर के बाहर कैलाश चौधरी के नाम से पर्ची मिली।

# 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से चलने वाली पूजा विशेष गाड़ियाँ निम्नवत है

**गोरखपुर,:** रेलवे प्रशासन द्वारा दीपावली एवं छठ पर्व पर रेल यात्रियों की सुविधा हेतु पूजा विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है। 20 अक्टूबर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से चलने वाली पूजा विशेष गाड़ियाँ निम्नवत है।

-20 अक्टूबर, 2025 को 03678 गोरखपुर-धनबाद पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 15.30 प्रस्थान कर देवरिया सदर, भटनी, मऊ एवं औड़िहार होते हुए चलाई जायेगी।

-20 अक्टूबर, 2025 को 05741 गोमतीनगर-न्यू जलपाईगुड़ी पूजा विशेष गाड़ी गोमतीनगर से 09.40 बजे प्रस्थान कर बाराबंकी, मनकापुर, गोरखपुर, सीवान एवं छपरा होते हुए चलाई जायेगी।

-20 अक्टूबर, 2025 को 04607 छपरा-अमृतसर पूजा विशेष गाड़ी छपरा से 12.00 बजे प्रस्थान कर सीवान, गोरखपुर, गोंडा, सीतापुर एवं बरेली होते हुए चलाई जायेगी।

-20 अक्टूबर, 2025 को 05062 टनकपुर-अछनेरा पूजा विशेष गाड़ी टनकपुर से 04.35 बजे प्रस्थान कर खटीमा, पीलीभीत, भोजीपुरा, इज्जतनगर एवं बरेली होते हुए चलाई जायेगी।

-20 अक्टूबर, 2025 को 03215 पटना-थावे पूजा विशेष गाड़ी पटना से 12.10 बजे प्रस्थान कर मसरख, दिघवा दुबौली, सिधवलिया एवं गोपालगंज होते हुए चलाई जायेगी।

-20 अक्टूबर, 2025 को 09044 बढ़नी-बांद्रा टर्मिनस विशेष गाड़ी बढ़नी से 13.30 बजे प्रस्थान कर बलरामपुर, गोण्डा, बाराबंकी, लखनऊ जं0 एवं कानपुर सेन्ट्रल होते हुए चलाई जायेगी।

-20 अक्टूबर, 2025 को 09186 कानपुर अनवरगंज-मुम्बई सेंट्रल पूजा विशेष गाड़ी कानपुर अनवरगंज से 18.25 बजे प्रस्थान कर कन्नौज, फरूर्खाबाद, कासगंज, हाथरस सिटी एवं मथुरा कैंट होते हुए चलाई जायेगी।

-20 अक्टूबर, 2025 को 01080 गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 14.30 बजे प्रस्थान कर खलीलाबाद, बस्ती, गोंडा एवं कानपुर सेंट्रल होते हुए चलाई जायेगी।

-20 अक्टूबर, 2025 को 01416 गोरखपुर-पुणे पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 17.30 बजे प्रस्थान कर बस्ती, गोंडा, लखनऊ जं एवं कानपुर सेंट्रल होते हुए चलाई जायेगी।

-20 अक्टूबर, 2025 को 09112 गोरखपुर-बड़ोदरा पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 05.00 बजे प्रस्थान कर बस्ती, गोंडा, बाराबंकी, बादशाहनगर एवं कानपुर सेंट्रल होते हुए चलाई जायेगी।

-20 अक्टूबर, 2025 को 09430 गोरखपुर-साबरमती पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 13.00 बजे प्रस्थान कर बस्ती, मनकापुर, गोंडा, बाराबंकी एवं लखनऊ जं. होते हुए चलाई जायेगी।

## पिछले 24 घंटों में गोरखपुर जं. रेलवे स्टेशन से लगभग दो लाख यात्रियों ने किया रेल यात्रा

**गोरखपुर,:** दीपावली एवं छठ महापर्व के अवसर पर रेल यात्रियों की भारी भीड़ को ध्यान में पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन द्वारा सैकड़ों की संख्या में पूजा विशेष ट्रेनों का संचालन किया रहा है। स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा में यात्री आश्रय स्थल का निर्माण किया गया है, जिसमें यात्रियों के बैठने, पीने हेतु स्वच्छ जल, ट्रेन डिस्प्ले बोर्ड, मोबाइल चार्जिंग प्वांइट तथा फर्स्ट एड आदि की व्यवस्था की गई है। यात्रियों की सुरक्षा हेतु रेलवे सुरक्षा बल के जवान तैनात किये गये है तथा यात्रियों को सुविधाजनक तरीके से टिकट उपलब्ध कराने हेतु अतिरिक्त टिकट काउंटर खोले गये है, साथ ही साथ ए.टी.वी.एम. का भी प्रावधान किया गया है। स्टेशनों पर उपलब्ध सुविधाओं एवं पूजा विशेष गाड़ियों के संचलन के फलस्वरूप पिछले 24 घंटों में गोरखपुर जं. रेलवे स्टेशन के माध्यम से लगभग दो लाख यात्रियों ने दीपावली के अवसर पर अपने घरों के लिए यात्रा की।

## सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04 एवं एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 13 कोच लगाये जायेंगे

**गोरखपुर,:** रेलवे प्रशासन द्वारा दीपावली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की मांग पर 04660/04659 लुधियाना-कटिहार-लुधियाना पूजा विशेष गाड़ी का संचलन लुधियाना से 23 अक्टूबर,2025 को तथा कटिहार से 25 अक्टूबर,2025 को 01 फेरे हेतु निम्नवत किया जायेगा। 04660 लुधियाना-कटिहार पूजा विशेष गाड़ी 23 अक्टूबर,2025 को लुधियाना से 16.50 बजे प्रस्थान कर ढंडारी कलां से 17.15 बजे, अम्बाला कैण्ट से 19.00 बजे, यमुनानगर जगाधरी से 19.35 बजे, सहारनपुर से 20.25 बजे, दूसरे दिन मुरादाबाद से 00.55 बजे, बरेली से 02.27 बजे, शाहजहाँपुर से 03.40 बजे, सीतापुर से 06.50 बजे, गोण्डा से 09.50 बजे, गोरखपुर से 12.55 बजे, छपरा से 16.20 बजे, सोनपुर से 18.05 बजे, हाजीपुर से 18.35 बजे, तीसरे दिन शाहपुर पटोरी से 19.50 बजे, बछवारा से 20.55 बजे, बरौनी से 22.05 बजे, खगड़िया से 23.10 बजे, मानसी से 23.35 बजे तथा तीसरे दिन नवगछिया 00.50 बजे छूटकर कटिहार 03.30 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में 04659 कटिहार-लुधियाना पूजा विशेष गाड़ी 25 अक्टूबर,2025 को कटिहार से 06.30 बजे प्रस्थान कर नवगछिया से 07.35 बजे, मानसी से 08.40 बजे, खगड़िया से 09.05 बजे, बरौनी से 10.30 बजे, बछवारा से 11.15 बजे, शाहपुर पटोरी से 12.15 बजे, हाजीपुर से 13.50 बजे, सोनपुर से 14.25 बजे, छपरा से 17.00 बजे, गोरखपुर से 20.30 बजे, गोण्डा से 23.20 बजे, दूसरे दिन सीतापुर से 02.50 बजे, शाहजहाँपुर से 05.40 बजे, बरेली से 06.55 बजे, मुरादाबाद से 09.00 बजे, सहारनपुर से 13.00 बजे, यमुना नगर जगाधरी से 13.45 बजे, अम्बाला कैण्ट से 14.25 बजे तथा ढंडारी कलां से 18.05 बजे छूटकर लुधियाना 18.30 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी के 07, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04 एवं एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 13 कोच लगाये जायेंगे।

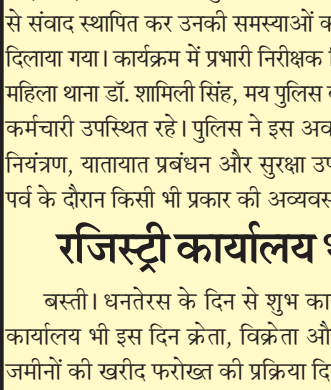

## अश्विनी वैष्णव ने आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन का जायजा लिया, यात्रियों से सीधे बातचीत की

**गोरखपुर,:** केंद्रीय रेल, सूचना प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने त्योहारों के मौसम में यात्रियों की सुरक्षा



और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए आज आनंद विहार रेलवे स्टेशन का औचक निरीक्षण किया। मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्टेशन पर होल्डिंग एरिया का निरीक्षण किया। उन्होंने यात्रियों से सीधे बातचीत की। इस दौरान उन्होंने यात्रियों से रेलवे परिसर की स्वच्छता और प्रदान की जा रही सुविधाओं के बारे में प्रतिक्रिया (फीडबैक) ली। मीडिया से बातचीत करते हुए श्री वैष्णव ने कहा कि यात्रियों की भारी भीड़ के बावजूद उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए रेलवे ने व्यापक इंतजाम किए हैं। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर रेलवे को लेकर भ्रामक वीडियो फैलाने वालों पर कार्यवाही की जा रही हैं। साथ ही अपील की कि रेलवे को लेकर भ्रामक वीडियो न फैलाएं। इस निरीक्षण के दौरान, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार और उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा सहित रेलवे के कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। निरीक्षण के बाद अश्विनी वैष्णव ने विश्वास व्यक्त किया है कि भीड़ प्रबंधन और यात्री सुविधाओं के लिए किए गए ये व्यापक इंतजाम आगामी दीवाली और छठ जैसे प्रमुख त्योहारों के दौरान लाखों यात्रियों के लिए सुगम और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करेंगे।

# 50 पूजा विशेष ट्रेनें पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से होकर देश के प्रमुख नगरों के लिये 1196 फेरों में चलाई जा रही

**गोरखपुर,:** रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दीपावली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुये पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से देश के महानगरों एवं प्रमुख नगरों के लिये 95 पूजा विशेष ट्रेनें 1351 फेरों में चलाई जा रही हैं। इसके अतिरिक्त 50 पूजा विशेष ट्रेनें पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से होकर देश के प्रमुख नगरों के लिये 1196 फेरों में चलाई जा रही हैं। इस प्रकार, पूर्वोत्तर रेलवे के स्टेशनों से/होकर 145 पूजा विशेष ट्रेनें 2547 फेरों में चलाई जा रही हैं। इन पूजा विशेष ट्रेनों के माध्यम से आगामी दीपावाली एवं छठ त्यौहारों में यात्रियों की यात्रा सुगम हो रही है। यात्रियों की बढ़ती संख्या के अनुरूप रिकॉर्ड संख्या में विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर से देश के प्रमख नगरों कोलकाता (सियालदह-30 फेरे), आसनसोल (14 फेरे), धनबाद (22 फेरे), मुम्बई (छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-132 फेरे व पुणे-130 फेरे), नई दिल्ली (20 फेरे), डिब्रुगढ़ (14 फेरे), गुवाहाटी (नारंगी-18 फेरे), जोधपुर (18 फेरे), राँची (06 फेरे) एवं वडोदरा (20 फेरे), साबरमती (12 फेरे), श्री गंगानगर (04 फेरे) आदि स्टेशनों के लिये पूजा विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इसके अतिरिक्त गोमती नगर से मुम्बई (लोकमान्य तिलक टर्मिनस-12 फेरे), जयपुर (खातीपुरा-14 फेरे), हैदराबाद (महबूबनगर-12 फेरे), न्यू जलपाईगुड़ी (12 फेरे) एवं सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल, बेंगलुरु (36 फेरे); बढ़नी से अमृतसर (20 फेरे), आसनसोल (08 फेरे) एवं मुम्बई (बान्द्रा टर्मिनस-42 फेरे); बनारस से मुम्बई (लोकमान्य तिलक टर्मिनस-40 फेरे, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-08 फेरे, मुम्बई सेंट्रल-16 फेरे), कोलकाता (14 फेरे) एवं बेंगलूरू छावनी (01 फेरा); छपरा से सूरत (उधना-20 फेरे), अमृतसर (20 फेरे) एवं जालना (28 फेरे); मऊ से अम्बाला कैंट (18 फेरे), कोलकाता (16 फेरे), सूरत (12 फेरे), मुम्बई (लोकमान्य तिलक टर्मिनस-40 फेरे), जोधपुर (20 फेरे) एवं वडोदरा (26 फेरे); थावे से पटना (122 फेरे); गाजीपुर सिटी से मुम्बई (पुणे-38 फेरे); बलिया से पटना (पाटलिपुत्र-122 फेरे) एवं सूरत (उधना-06 फेरे); लालकुआँ से राजकोट (12 फेरे), कोलकाता (20 फेरे), वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. झाँसी (14 फेरे) एवं प्रयागराज जं. (16 फेरे); टनकपुर से अछनेरा (42 फेरे) तथा काठगोदाम से मुम्बई सेन्ट्रल (28 फेरे) इत्यादि स्टेशनों के मध्य पूजा विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इसी प्रकार, इस रेलवे के अन्य स्टेशनों से होकर देश के प्रमुख नगरों के लिये 50 पूजा विशेष ट्रेनें 1196 फेरों में संचालित हो रही हैं। इन ट्रेनों के संचलन से मार्गवर्ती स्टेशनों के यात्रियों को जाने/आने में काफी सुविधा हो रही है। ज्ञातव्य है कि प्रतिवर्ष दीपावली एवं छठ त्यौहारों के अवसर पर देश भर से बड़ी संख्या में लोग इस क्षेत्र में आते हैं। यहाँ के लोगों के लिये ये त्यौहार न केवल धार्मिक महत्व रखते हैं, बल्कि परिवार से मिलने का भी एक विशेष अवसर होता है। त्यौहारों के दौरान यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुये रेल यात्रियों की सुविधा हेतु रिकॉर्ड संख्या में पूजा विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है।

# संक्षिप्त खबरें

## महाप्रबन्धक,ने रेल कर्मचारियों, रेल उपयोगकत्ताओं तथा उनके परिवारजनों को दीपावली त्यौहार की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें दी

**गोरखपुर,:** महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर ने रेल कर्मचारियों, रेल उपयोगकत्ताओं तथा उनके परिवारजनों को दीपावली



त्यौहार की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें दी हैं। महाप्रबन्धक श्री बोरवणकर ने सम्मानित रेल उपयोगकत्ताओं/यात्रियों से निवेदन किया है कि भारतीय रेल आपकी संपत्ति है आप लोग इसका जिम्मेदारी से उपयोग करें कोई भी ऐसा कार्य न करें जिससे किसी की सुरक्षा में बाधा पहुंचे। उन्होंने ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करने तथा रेलवे प्रशासन द्वारा समय-समय पर दी जा रही दिशा-निदेर्शों का पालन करते हुए अपनी रेल यात्रा को सुखद और सफल बनायें। महाप्रबंधक ने यात्रियों से निवदेन किया की ट्रेनों की छतों एवं पावदान पर लटक कर यात्रा न करें। चलती ट्रेन में चढ़ने एवं उतरने का प्रयास न करें तथा एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म पर जाने के लिये फुट ओवर ब्रिज (एफ.ओ.बी.) का उपयोग करें। स्टेशन एवं गाड़ियों में स्वच्छता बनाये रखने में रेलवे प्रशासन को सहयोग करें। यात्रियों को बेहतर यात्रा सुविधा मिल सके तथा यात्रा मंगलमय हो सके, इसके लिये रेलवे प्रशासन इन त्यौहारों के अवसर पर प्रमुख नगरों के लिये रिकॉर्ड संख्या में विशेष ट्रेनों का संचलन कर रहा हैं। इन गाड़ियों में बर्थ आरक्षित कराकर अपनी यात्रा को सुगम बनावे।

## त्योहार को लेकर पुलिस ने की गश्त

बस्ती। पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने एएसपी श्यामकांत, सीओ सिटी सत्येंद्र भूषण त्रिपाठी एवं भारी पुलिस बल के साथ धनतेरस और दीपावली पर्व को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए शहर क्षेत्र में पैदल गश्त किया। कंपनीबाग से गांधीनगर होते हुए रोडवेज तक पहुंचे। इस दौरान भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया और आमजन से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को सुना गया तथा सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया। कार्यक्रम में प्रभारी निरीक्षक दिनेश चंद्र चौधरी, प्रभारी निरीक्षक महिला थाना डॉ. शामिली सिंह, मय पुलिस बल तथा अन्य संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। पुलिस ने इस अवसर पर विशेष ध्यान देते हुए भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन और सुरक्षा उपायों की प्रभावी समीक्षा की ताकि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या दुर्घटना से बचा जा सके।

## रजिस्ट्री कार्यालय भी रहा गुलजार

बस्ती। धनतेरस के दिन से शुभ कार्य शुरू हो जाता है। उप निबंधन कार्यालय भी इस दिन क्रेता, विक्रेता और स्टांप लेखकों से गुलजार रहे। जमीनों की खरीद फरोख्त की प्रक्रिया दिन भर चली। सदर तहसील स्थित उप निबंधन कार्यालय में क्रेता-विक्रेता का तांता लगा रहा है। यहां दिन में सर्वर से लोगों को खूब झेलाया। सर्वर डाउन होने के चलते कई बार रजिस्ट्री की ऑनलाइन प्रक्रिया बाधित हुई। जिससे भीड़ बढ़ी रही। कलवारी से आए राम प्रसाद ने बताया सर्वर फेल होने से उनकी रजिस्ट्री में दो घंटे का विलंब हुआ। जबकि आज त्योहार का दिन होने के कारण सर्वर व्यवस्था दुरूस्त होनी चाहिए। वहीं निबंधन कार्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों ने भी कहा कि सर्वर डाउन होने से रजिस्ट्री कुछ हद तक प्रभावित भी हुई है। यहां केवल 40 की संख्या में बैनामा कराया गया है। एआईजी स्टांप देवेंद्र कुमार ने बताया कि जिले भर में औसत सौ रजिस्ट्री होने का अनुमान है। इससे लगभग पांच करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्ति का अनुमान है। इसका सटीक आंकड़ा एक दिन बाद संकलित होगा। सर्वर डाउन होने से कुछ लोगों की रजिस्ट्री नहीं हो सकी है। उन्हें अगले कार्य दिवस में बुलाया गया है।

## कार रेलिंग तोड़ते हुए सर्विस लेन में पलटी

हरैया। शनिवार प्रातः हाईवे पर गोरखपुर से लखनऊ जा रही कार अनियंत्रित होकर कस्बे में ब्लॉक मुख्यालय के सामने सड़क किनारे लगी लोहे की रेलिंग तोड़ते हुए सर्विसलेन में जाकर पलट गई। गनीमत रही कि सुबह का समय होने के चलते सर्विसलेन खाली थी, जिसके चलते बड़ा हादसा टल गया। जोरदार आवाज सुनकर आसपास के घरों से लोग दौड़कर घटना स्थल पर पहुंचे। चालक को सकुशल देख लोगों ने राहत की सांस ली। मौके पर पहुंची पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार को हटवाया। चालक सुशांत ने बताया कि वह सुबह करीब छः बजे गोरखपुर से लखनऊ जाने के लिए कार से निकला था।

## दीपों की रोशनी में झलकी भारतीय संस्कृति

बस्ती। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की एपीएन पीजी कॉलेज इकाई की तरफ से शनिवार को कॉलेज परिसर में दीपोत्सव का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। मुख्य अतिथि एडीएम प्रतिपाल चौहान ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम केवल उत्सव नहीं, बल्कि युवाओं को जीवन मूल्यों और सामाजिक संस्कारों से जोड़ने का माध्यम हैं। दीपोत्सव आत्मविकास और संस्कारों की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में डॉ. अभिषेक सिंह, शिवेंद्र सिंह, डॉ. आनंद बिहारी, डॉ. विवेक तिवारी मौजूद रहे।

## किराना स्टोर में पटाखों का भंडार

बस्ती। दीपावली से पहले बस्ती पुलिस ने अवैध पटाखों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। थानाध्यक्ष छावनी पुलिस मय टीम ने शुक्रवार को दो अलग-अलग स्थानों पर छापा मारकर भारी मात्रा में अवैध पटाखे बरामद किए। एसओ जनार्दन प्रसाद के अनुसार, विक्रमजोत में अंडरपास के बगल स्थित मां वैष्णो किराना स्टोर में अवैध पटाखों का भंडारण किया गया था। दुकान संचालक संतोष कुमार निवासी विक्रमजोत कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। इसी तरह ग्राम नल्हीपुर निवासी रोहित तिवारी ने भी अपने मकान के बगल वाले एक घर में बड़ी मात्रा में पटाखे जमा कर रखे थे।

## बदल रहा जश्न का अंदाज पटाखा बाजार में ग्रीन ट्रेंड कर रहा हिट

बस्ती। दिवाली के अवसर पर इस बार रोशनी की लड़ियों के साथ ईको फ्रेंडली (ग्रीन) पटाखे की भी धूम रहने की उम्मीद है। पटाखा बाजार में दुकानदारों ने सामान्य पटाखों से लेकर ग्रीन पटाखों को भी सजा रखा है। लोग पटाखा बाजार में ग्रीन पटाखों की मांग भी कर रहे हैं। शहर में तीन स्थानों पर पटाखा बाजार लगाया गया है। जहां दुकानों पर आकर्षक और तेज धमाके वाले पटाखे सजाए गए हैं। इनके बीच ग्रीन पटाखों की भी मांग है। पटाखा दुकानदार राजेश ने बताया कि हर साल तेज आवाज के पटाखों की मांग रहती है। सामान्य पटाखे जैसे अनार, चकरी, फुलझडी, चटाई आदि प्रमुख हैं। इस बार 15 शॉट की बजाय 16 शॉट का पटाखा बाजार में आया है जो बहुत अच्छा है। ग्रीन पटाखे भी बाजार में आए हैं। मालवीय रोड निवासी राहुल सिंह ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा की जिम्मेदारी सभी पर है। दीपोत्सव की खुशियां पटाखा के बजाय मिठाई बांट कर मनाएं।

# चाचा व ममेरे जीजा ने 13 साल की मासूम को किया गर्भवती

**वाराणसी।** वाराणसी के रामनगर थाने में मां की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया गया। पीड़िता का बयान दर्ज करने के साथ ही उसका मेडिकल कराया गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। चाचा व ममेरे जीजा द्वारा रिश्ते को तार-तार करने का मामला सामने आया है। दोनों ने मिलकर 13 साल की मासूम को गर्भवती कर दिया। किशोरी के पेट में दर्द होने पर मां जब उसे लेकर अस्पताल पहुंची तो सच्चाई जान उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। बेटी ने रो-रो कर पुरी बात परिजनों को बताई। पिता बेटी को लेकर थाना पहुंचे तो पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दी। 13




वर्षीय नाबालिक किशोरी अपने पिता व मां के साथ नगर में रहती है। पिता काम से अक्सर बाहर रहते थे। अलीनगर निवासी उसके ममेरे जीजा का घर आना-जाना लगा रहता था। इसी बीच उसने किशोरी को तरह-तरह के प्रलोभन देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। किशोरी को धमका कर उसने यह कृत्य कई बार किया, जिसके बाद वह गर्भवती हो गई। पुलिस ने की कार्रवाई पांच महीने बीतने पर अन्य रिश्तेदारों को शक हुआ तो किशोरी की जांच कराई गई तो वह गर्भवती निकली। किशोरी ने बताया कि पड़ोस में रहने वाले चाचा ने भी उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया था। पुलिस ने किशोरी की तहरीर पर ममेरे जीजा व चाचा के खिलाफ पॉक्सो सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दोनों को रामनगर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। इस बाबत, थानाध्यक्ष दुर्गा सिंह ने कहा कि दोनों आरोपियों का चालान कर जेल भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर गुरुवार को केस दर्ज किया गया था।

## दिवाली से पहले एरियर के मद में 52 लाख का भुगतान

बस्ती। नगर पालिका परिषद बस्ती के कर्मियों को दीपावली के पहले ही तोहफा दिया गया है। लंबे समय से बकाया उनका महंगाई सहित अन्य भत्ते का भुगतान एरियर के रूप में कर दिया गया है। 327 कर्मियों में 52 लाख रुपये भुगतान हुआ है। इससे कर्मियों के चेहरे पर खुशी है। कहा कि उनकी दिवाली और अच्छे से मनेगी। नगर पालिका कर्मचारी संघ ने नपाध्यक्ष नेहा वर्मा को पत्र देकर बताया था कि नपा के समस्त कर्मी का महंगाई भत्ता जुलाई 2021 से अभी तक बकाया है। वहीं वर्ष 2018-19, 2020-21, 2022-23 व 75 प्रतिशत 2023-24 का बकाया है। नपा अध्यक्ष और ईओ अंगद गुप्ता ने कर्मियों के बकाया भुगतान का प्रयास किया। उनका प्रयास सफल भी हुआ। दिवाली के पहले ही 182 स्थायी व 145 संविदा कर्मियों का एरियर के रूप में कुल 52 लाख रुपये भुगतान किया गया। भुगतान होने से कर्मियों में खुशी की लहर है।

## आठ क्विंटल पटाखा कराया गया नष्ट

पैकोलिया। दो दिन पहले थाना क्षेत्र के जिलेबीगंज बाजार और मुसहा में पुलिस एवं एसओजी टीम की संयुक्त छापेमारी में बरामद करीब पौने आठ क्विंटल विस्फोटक पदार्थ/पटाखा को शनिवार को प्रशासन की देखरेख में नष्ट किया गया। अपर जिलाधिकारी के निर्देश पर हरैया के नायब तहसीलदार ऋषभ सिंह, गौर की नायब तहसीलदार शालिनी पटेल तथा प्रभारी निरीक्षक सुभाष मौर्य की निगरानी में फायर ब्रिगेड टीम ने पटाखों पर पानी डालकर उन्हें निष्प्रयोज्य किया।

## क्लोन हमसफर एक्सप्रेस पर पथराव से हड़कंप

**कानपुर।** अहमदाबाद-दरभंगा क्लोन हमसफर एक्सप्रेस पर भीमसेन के पास अज्ञात लोगों ने पथराव किया, जिससे ड्राइवर की खिड़की का शीशा टूट गया। ट्रेन को कानपुर सेंट्रल के प्लेटफॉर्म नंबर-पांच पर अटेंड किया गया। कानपुर में अहमदाबाद से दरभंगा जा रही क्लोन हमसफर एक्सप्रेस 09465 ट्रेन में भीमसेन के पास अज्ञात



लोगों द्वारा पथराव किए जाने से हड़कंप मच गया। पथराव के कारण ट्रेन के ड्राइवर के पास वाली खिड़की का शीशा टूट गया। अज्ञात शरारती तत्वों ने भीमसेन होर्डिंग लाइन पर ट्रेन में पथराव किया। पथराव की घटना के तुरंत बाद ड्राइवर ने कंट्रोल रूम को सूचित किया। पथराव की सूचना मिलते ही कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर आरपीएफ जवानों ने तुरंत ट्रेन को अटेंड किया। हमसफर एक्सप्रेस ट्रेन को कानपुर सेंट्रल स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर- पांच पर लाया गया, जहां सुरक्षाकर्मियों ने स्थिति का जायजा लिया। आरपीएफ और रेलवे पुलिस जांच में जुटी बताया जा रहा है कि पथराव की यह घटना झांसी मंडल के अंतर्गत हुई है, लेकिन ट्रेन को सुरक्षा कारणों से कानपुर सेंट्रल पर अटेंड किया गया है।

## मेरी पत्नी बेवफा है, वह किसी और से : वीडियो बनाकर युवक ने खाया जहर

**वाराणसी।** वाराणसी में युवक ने पत्नी की बेवफाई से परेशान होकर विषाक्त खा लिया। मरने से पहले उसने वीडियो भी बनाई थी। उसमें उसने पत्नी, उसकी मां और उसके एक दोस्त का जिक्र किया है। एक युवक ने विषाद पदार्थ पीकर आत्महत्या कर लिया है। उसने पत्नी के बेवफाई से परेशान होने की बात कही थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिया भेज दिया। मृतक के पिता भोलानाथ पटेल निवाशी हृदयपुर ने बताया कि बीते नवंबर 2024 को मैं अपने बेटे जयसिंह पटेल की शादी गहुरा थाना चोलापुर निवासी रणधिर पटेल की पुत्री शिवांगी से किया था। शिवांगी और उसकी मां सुनीता मेरे बेटे को हमेशा प्रताड़ित करती रहती थी। कहा कि लगभग एक साल होने को है और विदाई भी नहीं होने दिया जा रहा है। इसी कारण मेरा बेटा तनाव में रहता था और आज रविवार को सल्फास खा लिया। हम लोग उसे परसुरामपुर स्थित एक निजी अस्पताल में ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक तीन बहनों में इकलौता भाई था, जो एक प्राईवेट स्कूल में स्कूल वैन चलाने का काम करता था। आत्महत्या से पूर्व बनाई वीडियो जय सिंह ने एक वीडियो भी बनाई थी। इसके अनुसार, उसकी पत्नी शिवांगी का कॉलेज के टाइम से अभिषेक पटेल नाम के लड़के से संपर्क था। इसकी शिकायत जयसिंह ने अपने सास सुनीता से किया, लेकिन वह उसकी बातों को नकार देती थी। मृतक अपने मौत का





कारण अपने सास सुनीता, पत्नी शिवांगी और अभिषेक पटेल को बता रहा है।

## देश की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात का बाजार पूंजीकरण बढ़ा, दो लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंफोसिस का मूल्यांकन 30,306 करोड़ रुपये घटकर 5,98,773 करोड़ रुपये रह गया। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 23,807 करोड़ रुपये घटकर 10,71,894 करोड़ रुपये और एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 7,684 करोड़ रुपये घटकर 5,60,173 करोड़ रुपये रह गया। देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात का संयुक्त बाजार मूल्यांकन पिछले सप्ताह दो लाख करोड़ रुपये बढ़ गया। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारती एयरटेल सबसे आगे रहीं। शेयर बाजार में तेजी का कंपनियों को फायदा हुआ। पिछले सप्ताह, बीएसई बेंचमार्क 1,451 अंक या 1.75 प्रतिशत उछला। रिलायंस इंडस्ट्रीज और एयरटेल का बाजार मूल्यांकन बढ़ा शीर्ष 10 कंपनियों में से, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर को फायदा हुआ

## संक्षिप्त समाचार

### छात्रों को दिया जीवन रक्षक तकनीकों का प्रशिक्षण

**ग्वालियर।** सीपीआर सप्ताह के अवसर पर कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के तत्वावधान में सेंट्रल एकेडमी स्कूल में कैंसर जागरूकता एवं सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम शनिवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. विजय चौधरी ने ब्लड कैंसर और अनीमिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी, जबकि डॉ. अनीता अग्रवाल ने ब्रेस्ट, सर्वाइकल और हेड एंड नेक कैंसर की रोकथाम तथा एचपीवी वैक्सीनेशन के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. संतोष कुमार ने छात्रों को सीपीआर की जीवन रक्षक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य जयकिशन केसवानी, शिल्पी नेहरा, मिस मुस्कान, कल्पना सिंह, डॉ. मीरा श्रीवास्तव, डॉ. अदिति भट्ट, नैना सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

### आपसी रिश्तों के अनुभव साझा किए

**ग्वालियर।** विद्युत कंपनी के सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों के ग्रुप रिटायर्ड स्टार्स ऑफ सिटी सर्किल ग्वालियर ने एक होटल में दीपावली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत हाउजी के साथ हुई। सदस्यों ने साथ-साथ काम करते हुए आपसी रिश्तों के अनुभव साझा किए। अनुज सक्सेना और दीपक भटनागर ने गीत सुनाए, अरूण शर्मा और एपी सहगल ने मनोरंजक किस्से, रवि प्रकाश सक्सैना और राहुल गुप्ता शायरी और कविताएं प्रस्तुत की।

### जयारोग्य अधीक्षक ने विभागाध्यक्षों को दिए निर्देश

# दीपावली पर अस्पतालों में रहेगा हाई अलर्ट, जलने व दुर्घटना के मरीजों के लिए विशेष इंतजाम

■ ग्वालियर

दीपावली पर्व को देखते हुए ग्वालियर के सभी सरकारी अस्पतालों में अलर्ट जारी कर दिया गया है। हर साल दीपावली के अवसर पर पटाखों और आग से जलने, आंखों में चोट लगने या अन्य हादसों के मरीजों की संख्या में अचानक बढ़ोतरी देखी जाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए जयारोग्य चिकित्सालय समूह के अस्पताल प्रशासन ने विशेष रूप से बर्न यूनिट, ट्रॉमा सेंटर और नेत्र रोग विभाग में अतिरिक्त पलंग आरक्षित कर लिए हैं ताकि किसी भी आपात स्थिति में मरीजों को उपचार में कोई परेशानी न हो।

अधीक्षक डॉ. सुधीर सक्सैना ने सभी विभागाध्यक्षों को आपातकालीन स्थिति के लिए तैयार रहने के निर्देश जारी किए हैं। डॉ. सक्सैना ने बताया कि दीपावली एवं उसके अगले दिन तक अस्पताल के सभी महत्वपूर्ण विभागों में 24 घंटे ऑन कॉल ड्यूटी लगाई गई है। इसमें प्लास्टिक सर्जन, नेत्र रोग विशेषज्ञ, आर्थोपेडिक सर्जन सहित अन्य चिकित्सकों को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि त्योहार के दौरान हादसे की संभावना अधिक रहती है, इसलिए चिकित्सक और स्टॉफ पूरी तरह मुस्तैद रहेंगे। अस्पताल के बर्न यूनिट में अतिरिक्त बेड की व्यवस्था की गई है, वहीं आवश्यक दवाओं का भी पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध करा दिया गया है।

उन्होंने बताया कि सभी विभागाध्यक्षों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि विभागों में दवाएं, पट्टियां, ड्रेसिंग सामग्री, सेलाइन व अन्य आवश्यक उपकरण पर्याप्त मात्रा में रखे जाएं।

#### 108 एम्बुलेंस सेवा भी अलर्ट मोड पर

सीएमएचओ डॉ. सचिन श्रीवास्तव ने बताया कि जिले की सभी 108 एम्बुलेंस को भी अलर्ट पर रखा गया है। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थान पर घटना घटित होने पर तत्काल एम्बुलेंस मौके पर पहुंचेगी और घायल को नजदीकी अस्पताल तक ले जाएगी। इसके लिए सभी एम्बुलेंस कर्मियों को विशेष निर्देश जारी किए गए हैं।

#### जिला अस्पताल में भी विशेष इंतजाम

सिविल सर्जन डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि जिला अस्पताल में भी चिकित्सकों की ड्यूटी निर्धारित कर दी गई है। इमरजेंसी वार्ड में आवश्यक दवाओं और उपकरणों की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। अस्पताल प्रशासन ने साफ कहा है कि किसी भी मरीज को उपचार में देरी नहीं होगी।

#### बच्चों की सुरक्षा और आंखों का रखें ध्यान

गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. रवि अम्बे ने कहा कि पटाखों से निकलने वाला धुआं और शोर छोटे बच्चों के लिए हानिकारक होता है। उन्होंने बताया कि अस्थमा के मरीजों और बच्चों को पटाखों के धुएं से दूर रखें। आतिशबाजी के दौरान आंखों को सुरक्षित रखने के लिए चश्मे का उपयोग करें और बच्चों को फुल कपड़े पहनाएं, ताकि कोई चिंगारी या बारूद का कण त्वचा या आंखों पर न लगे।

# नियम बदले तो घटीं एमआरआई जांच

■ ग्वालियर

मुरार जिला अस्पताल में आयुष्मान भारत योजना के तहत ओपीडी में आने वाले मरीजों की निःशुल्क एमआरआई जांच सुविधा पर रोक लगने के बाद जांच की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई है। पहले जहां अस्पताल में प्रतिदिन 30 से अधिक मरीजों की एमआरआई जांच होती थी, वहीं अब यह संख्या घटकर लगभग 10 जांच प्रतिदिन पर सिमट गई है।

जानकारी के अनुसार, अस्पताल में स्थापित एमआरआई मशीन का संचालन पीपीपी मॉडल पर किया जा रहा है। पहले ओपीडी में आने वाले आयुष्मान कार्डधारी मरीजों की जांचें भी योजना के तहत निःशुल्क की जाती थीं। लेकिन करीब पंद्रह दिन पूर्व शासन स्तर से नियम में बदलाव किए गए, जिसके बाद अब केवल भर्ती मरीजों की ही एमआरआई जांच आयुष्मान योजना के अंतर्गत निःशुल्क की जा रही है। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि आयुष्मान भारत योजना केवल भर्ती मरीजों की चिकित्सा और जांचों की लागत को कवर करती है। ओपीडी मरीज इस दायरे में नहीं आते। ऐसे में यदि किसी मरीज को एमआरआई जांच की आवश्यकता है और वह भर्ती नहीं है, तो उसे यह जांच निजी दर पर करवानी होगी। हालांकि नए नियम लागू होने के बाद से मरीजों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। कई मरीज आयुष्मान कार्ड लेकर अस्पताल पहुंच रहे हैं, लेकिन उन्हें बताया जा रहा है कि जांच का लाभ तभी मिलेगा जब वे भर्ती होंगे।

# मानव अधिकार प्रोटेक्शन ने बच्चों के साथ मनाई दीपावली

■ ग्वालियर

शनिवार को धनतेरस के अवसर पर मानव अधिकार प्रोटेक्शन जिला इकाई ग्वालियर द्वारा जरूरतमंद बच्चों के बीच दीपावली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया।

झांसीरोड स्थित साइंस कॉलेज के पास झोपड़ पट्टी में रहने वाले बच्चों एवं उनके परिजनों के बीच प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र झा, प्रदेश संरक्षक वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य डॉ. हुकुमचंद जैन, जिलाध्यक्ष रेखा गंभीर ने अपनी टीम के साथ पहुंचकर बच्चों को फुलझड़ी, फटाखे व मिठाइयां बांटी। साथ ही दीप जलाकर सभी को बधाई शुभकामनाएं दी और बच्चों के साथ अनार फटाखे भी जलाए। इस अवसर पर रवि जैन, प्रभात चतुर्वेदी,राहुल कुशवाह, मोहित शर्मा मौजूद रहे

# सावधानी से बचें वायु प्रदूषण-जनित बीमारियों से

■ ग्वालियर

दीपावली का त्योहार खुशियों और रोशनी का प्रतीक है, लेकिन इसके साथ वायु प्रदूषण भी एक गंभीर चिंता का विषय बन जाता है। पटाखों से निकलने वाला धुआं, धूलकण और हानिकारक गैसें वातावरण में मिलकर हवा की गुणवत्ता को खराब कर देती हैं। यही कारण है कि दीपावली के समय वायु प्रदूषण-जनित बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

मेडिसिन रोग विशेषज्ञ डॉ. नीतेश मुदगल का कहना है कि प्रदूषित वायु खासतौर पर कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों को अधिक प्रभावित करती है। इनमें पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चे, गर्भवती महिलाएं, वृद्धजन, दमा या हृदय रोग से पीड़ित व्यक्ति और बाहरी कार्यक्षेत्रों में कार्यरत लोग शामिल हैं। ऐसे लोगों को विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए और बाहर निकलते मास्क का उपयोग करना चाहिए।

डॉ. मुदगल के अनुसार सर्दियों के आगमन के साथ ही हवा का घनत्व बढ़ जाता है जिससे प्रदूषक तत्व वातावरण में लंबे समय तक बने रहते हैं। इस कारण सुबह या देर रात में दौड़ना, जॉगिंग या अन्य बाहरी व्यायाम से बचना चाहिए क्योंकि उस समय प्रदूषण का स्तर अधिक होता है।

उन्होंने सलाह दी है कि घर के भीतर भी प्रदूषण के स्रोतों को कम किया जाए। लकड़ी, कोयला, गोबर के कंडे या केरोसीन का उपयोग न करें और सफाई के दौरान सूखी झाड़ू की बजाय गीले पोछे का प्रयोग करें ताकि धूल के कण वातावरण में न घुलें। उन्होंने चेतावनी दी है कि प्रदूषण के कारण सांस में तकलीफ, आंखों में जलन, सीने में दबाव या लगातार खांसी जैसे लक्षण नजर आने पर लापरवाही न करें और तुरंत चिकित्सक से परामर्श लें।

#### रोग प्रतिरोधक क्षमता के लिए संतुलित आहार जरूरी

चिकित्सकों ने कहा है कि प्रदूषण के प्रभाव को कम करने के लिए संतुलित आहार बेहद जरूरी है। ताजे फल और हरी सब्जियों का सेवन शरीर में एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा बढ़ाता है जिससे प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। साथ ही पर्याप्त मात्रा में पानी पीना और नियमित योग-प्राणायाम करना फेफड़ों की कार्यक्षमता को बेहतर बनाता है।

# श्रीजी ज्वेल्स के आगमन से पटेल नगर, सिटी सेंटर बना नया सराफा

■ ग्वालियर

शहर में त्योहार की धूम मची हुई है। श्रीजी ज्वेल्स के आगमन से पटेल नगर, सिटी सेंटर नया सराफा बाजार बन गया है। इस त्योहारी सीजन में श्रीजी ज्वेल्स स्थित-पटेल नगर, सिटी सेंटर में आपको सिर्फ रु. 24,999/- की खरीद पर एक्टिवा, एलईडी, डायमंड रिंग जैसे अनेक इनाम जीतने का मौका मिल रहा है। श्रीजी ज्वेल्स पर 16 नवंबर तक 'हर घर दीवाली' महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस महोत्सव में ग्राहक को 24,999 या उससे अधिक की खरीददारी पर लकी ड्रॉ कूपन मिल रहा है जिसमें ग्राहक को एक्टिवा, 50 इंच स्मार्ट टीवी और तीसरा खूबसूरत डायमण्ड रिंग।

श्री जी ज्वेल्स के संचालक मितुल और एकांश अग्रवाल ने बताया कि नवरात्रि से लेकर 16 नवम्बर तक चलने वाले 'हर घर दीवाली' महोत्सव में ग्राहकों के लिए हर सप्ताह दो लकी ड्रॉ निकाले जा रहे हैं जिसमें ग्राहक को तमाम उपहार जीतने का मौका मिल रहा है। इसके साथ ही 17 नवम्बर को तीन बंपर लकी ड्रॉ निकाले जाएंगे जिसमें पहला शानदार उपहार होगा एक्टिवा, दूसरा 50 इंच स्मार्ट टीवी और तीसरा खूबसूरत डायमण्ड रिंग।

# सिविल अस्पताल के बार्ड के आगे निजी अस्पताल का बैनर

### मरीजों को भटकाने की कोशिश

■ ग्वालियर

बिरला नगर सिविल अस्पताल के बोर्ड के आगे निजी अस्पताल का बैनर लगना चर्चा का विषय बन गया है।

स्वास्थ्यम अस्पताल के बैनर में मरीजों को हर रविवार निशुल्क परामर्श शिविर लिखा हुआ है। जबकि सिविल अस्पताल शासकीय अस्पताल है और उसके आस-पास निजी अस्पताल का प्रचार प्रसार नहीं किया जा सकता। उसके बाद भी निजी अस्पताल संचालक ने पाइप गाढ़कर बैनर लगा दिया है।

ऐसे में सवाल उठता है कि सरकारी अस्पताल के गेट पर निजी अस्पताल का प्रचार कैसे संभव हुआ। इससे मरीज भ्रमित हो सकते हैं और वे सरकारी सुविधा के बजाय निजी अस्पताल की ओर आकर्षित हो सकते हैं।

### जीविवि : पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला में चलाया गया एंटी रैगिंग जागरूकता अभियान

# रैगिंग लेना ही, देखकर अनदेखा करना भी अपराध है

■ ग्वालियर

जीवाजी विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला में भू-विज्ञान व आजीवन शिक्षा प्रसार अध्ययनशाला के संयुक्त तत्वावधान में एंटी रैगिंग जागरूकता अभियान कुलानुशासक प्रो.एसके सिंह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया।उन्होंने कहा कि नए छात्रों के साथ किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार, मानसिक या शारीरिक

उत्पीड़न को रोकने के उद्देश्य से एंटी रैगिंग जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य छात्रों में आपसी सौहार्द बढ़ाना और भयमुक्त वातावरण सुनिश्चित करना है।रैगिंग एक गंभीर अपराध है, जो न केवल कानूनन दंडनीय है बल्कि मानवीय दृष्टि से भी अमानवीय कृत्य है। प्रो.एसएन मोहापात्रा ने कहा कि विश्वविद्यालय की किसी भी अध्ययनशाला के छात्रों को रैगिंग से बचना चाहिए। प्रो.विवेक बापट ने कहा कि छात्रों को एक-दूसरे के साथ सामंजस्य बनाकर चलना चाहिए।छात्र छात्राओं को अपने जीवन में यह सुनिश्चित करना है कि संस्थान एवं उसके छात्रावास परिसर में रैगिंग न हो।

# अग्रवाल ज्वेलर्स ने पेश किया नया कलेक्शन

■ ग्वालियर

ग्वालियर शहर के दौलतगंज स्थित अग्रवाल ज्वेलर्स ने धनतेरस के खास मौके पर ज्वेलरी का नया और नायाब कलेक्शन पेश किया है जो लोगों को काफी पसंद आ रहा है। अग्रवाल ज्वेलर्स के संचालक ने बताया कि यहां हमने इस पुष्य नक्षत्र, धनतेरस और दिवाली पर लाइट वेट ज्वेलरी की बड़ी रेंज पेश की है, जिसमे हर, डिजाइनर बैंगल्स, चैन सहित ज्वेलरी की विविधता वाली रेंज प्रस्तुत की गई है। साथ ही यहां वेडिंग ज्वेलरी में कुंदन पोलकी और डायमंड ज्वेलरी के एक्सक्लूसिव डिजाइन भी काफी लोकप्रिय बने हुए हैं। साथ ही टेम्पल, कलकत्ता ज्वेलरी, टर्किश, ट्रेडिशनल ज्वेलरी, एंटीक ज्वेलरी और डायमंड ज्वेलरी का बेहतरीन और लाजवाब कलेक्शन भी काफी पसंद किया जा रहा है।

# वार्डों में खाली हुए पलंग, चिकित्सकों ने स्थिर मरीजों को भेजा घर

■ ग्वालियर

दीपावली के त्योहार का असर शहर के सरकारी अस्पतालों में भी दिखाई दे रहा है। सामान्य दिनों में जहां जयारोग्य अस्पताल समूह सहित अन्य शासकीय अस्पतालों में मरीजों को भर्ती करने के लिए पलंग तक उपलब्ध नहीं रहते थे, वहीं शनिवार को वार्डों के पलंग खाली नजर आए। कारण यह रहा कि त्योहार मनाने के लिए कई मरीजों ने खुद ही चिकित्सकों से छुट्टी की मांग कर दी।

जानकारी के अनुसार पिछले कई हफ्तों से अस्पतालों में मरीजों की लाइन लगी हुई थी। लेकिन दीपावली के नजदीक आते ही अस्पतालों में माहौल बदल गया। शनिवार को बड़ी संख्या में मरीज छुट्टी कराकर अपने घर लौट गए। जिन मरीजों को चिकित्सकों ने दो दिन बाद छुट्टी देने की बात कही थी, वे भी त्योहारी माहौल के चलते उसी दिन डिस्चार्ज होने पर जोर देने लगे। अस्पताल प्रशासन ने ऐसे मरीजों की छुट्टी कर दी, जिनकी स्थिति स्थिर थी और जिन्हें दवाओं से ही ठीक किया जा सकता था। हालांकि जिन मरीजों को इंजेक्शन, ग्लूकोज या लगातार उपचार की जरूरत थी, उन्हें अस्पताल में ही रखा गया।

### जयारोग्य की सफाई व्यवस्था बिगड़ी, जगह-जगह जमा कचरा

# वेतन तो मिला, बोनस नहीं मिलने पर कर्मचारियों ने की हड़ताल

■ ग्वालियर

दीपावली से ठीक पहले जयारोग्य चिकित्सालय समूह में सफाई कर्मियों ने बोनस नहीं मिलने के विरोध में काम बंद कर दिया । सफाई व्यवस्था संभालने वाली एजाइल सिक्योरिटी फोर्स लिमिटेड कंपनी पर कर्मचारियों ने वेतन और बोनस समय पर न देने का आरोप लगाया है। शनिवार की शाम को कर्मचारियों ने हड़ताल शुरू कर दी, जिससे अस्पताल परिसर में सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। वार्डों, गलियारों और परिसर में कचरा जमा होने से मरीजों और उनके परिजनों को

भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार जयारोग्य अस्पताल समूह में सफाई और सुरक्षा का काम एजाइल सिक्योरिटी फोर्स लिमिटेड को आउटसोर्स पर दिया गया है। कंपनी द्वारा विभिन्न विभागों में बड़ी संख्या में सफाईकर्मी तैनात किए गए हैं। कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें हर माह वेतन मिलने में देरी होती है, जबकि शासन के आदेश के अनुसार आउटसोर्स कर्मचारियों को माह के पहले सप्ताह में भुगतान किया जाना अनिवार्य है। कर्मचारियों ने बताया कि अक्टूबर माह का वेतन भी 12 तारीख तक नहीं मिला था। जब उन्होंने विरोध जताया तो कंपनी अधिकारियों ने उन्हें भरोसा दिलाया कि 15 अक्टूबर को वेतन के साथ बोनस भी दिया जाएगा। कंपनी ने वेतन तो दिया, लेकिन बोनस अब तक नहीं दिया। इस पर कर्मचारियों ने शनिवार शाम से हड़ताल शुरू कर दी। एक कर्मचारी ने बताया कि हर बार त्योहार पर बोनस का वादा किया जाता है, लेकिन समय पर भुगतान नहीं होता। इस बार भी हमें भरोसा दिलाया गया था, पर बोनस न मिलने से मजबूरन हमें काम बंद करना पड़ा।

हड़ताल के चलते अस्पताल में सफाई कार्य पूरी तरह ठप हो गया है। मरीजों के वार्ड, ओपीडी क्षेत्र और आपातकालीन ब्लॉक में गंदगी फैलने लगी है। अस्पताल प्रशासन ने सफाई व्यवस्था बनाए रखने के लिए वैकल्पिक इंतजाम करने की कोशिश की, लेकिन कर्मियों की कमी के कारण स्थिति संभल नहीं पाई।

उधर मप्र आउटसोर्स कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष कोमल सिंह ने कहा कि त्योहार के समय कर्मचारियों को बोनस मिलना उनका अधिकार है। लेकिन जयारोग्य अस्पताल के सफाईकर्मियों के साथ अन्याय किया जा रहा है।

# एमिटी ने मनाया विश्व गरीबी उन्मूलन दिवस, चलाया जागरूकता अभियान

■ ग्वालियर

एमिटी विश्वविद्यालय के एमिटी बिजनेस स्कूल ने विश्व गरीबी उन्मूलन दिवस के अवसर पर सामाजिक जागरूकता अभियान शनिवार को आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति डॉ. आर.एस. तोमर ने मजदूरों को मिठाई वितरित कर किया। प्रो-कुलपति वी.के. शर्मा और डॉ. एम.पी. कौशिक ने शिक्षा और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से गरीबी उन्मूलन में छात्रों की भूमिका पर जोर दिया। इस अवसर पर एमिटी परिसर में कार्यरत श्रमिकों को खाद्य सामग्री, कपड़े

और आवश्यक वस्तुएं वितरित की गईं। इसी तरह एमिटी बिजनेस स्कूल और मेक अ डिफरेंस संस्था के सहयोग से जनकगंज स्थित शासकीय प्राथमिक विद्यालय में आयोजित किया गया, जहां छात्रों के साथ इंटरैक्टिव गतिविधियां की गईं और शिक्षण सामग्री प्रदान की गई। निदेशक डॉ. नविता नैथानी ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य समाज के उत्थान में योगदान देना है। यह अभियान डॉ. मीनाक्षी त्रिपाठी और डॉ. किशन सिंह राठौर के समन्वयन में संचालित हुआ। कार्यक्रम में डॉ. आस्था जोशी, डॉ. राजीव द्विवेदी, अनित जैन व आशीष शर्मा सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

## सम्पादकीय

## दीपावली सौहाद्र और एकता का संदेश देती है

खुशियों का त्योहार दीपावली आपसी प्यार संस्कार और एकता का संदेश देती है। इसे पूरे भारत में सभी लोग आपसी सौहाद्र से मनाते है। दीपावली उत्तरी गोलार्ध की शरद ऋतु में प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला एक पौराणिक उत्सव है। यह कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है और भारत के सबसे बड़े और सर्वाधिक महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। आध्यात्मिक रूप से यह अन्धकार पर प्रकाश की विजय को दशार्ता है। दिवाली की सबसे प्रचलित कहानी भगवान राम के 14 वर्ष के वनवास के बाद रावण पर विजय पाकर अयोध्या लौटने की है। रावण ने माता सीता जी का अपहरण कर लिया था, लेकिन भगवान राम ने हनुमान और सुग्रीव की मदद से रावण को हराकर सीता को बचाया। उनके स्वागत में अयोध्यावासियों ने घी के दीये जलाए और पूरे नगर को रोशन किया, जो बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक दिवाली, रोशनी का त्योहार, बुराई पर अच्छाई, अंधकार पर प्रकाश और अज्ञान पर ज्ञान की जीत का प्रतीक है। इस दिन दीपक केवल घरों को सजाने के लिए ही नहीं, बल्कि जीवन के एक गहन सत्य को संप्रेषित करने के लिए भी जलाए जाते हैं - जब भीतर का अंधकार ईश्वर के प्रकाश से दूर हो जाता है। द्रिक पंचांग के अनुसार इस वर्ष अमावस्या तिथि की शुरूआत 20 अक्टूबर को दोपहर 3 बजकर 44 मिनट पर होगी और तिथि का समापन 21 अक्टूबर की रात 9 बजकर 03 मिनट पर होगा। दिवाली के दिन लक्ष्मी-गणेश पूजन का सबसे शुभ समय शाम 7 बजकर 08 मिनट से लेकर रात 8 बजकर 18 मिनट तक रहेगा। पांच दिवसीय त्यौहार धनतेरस से शुरू होता है और भाई दूज के साथ समाप्त होता है। दिवाली दो दिनों तक मनाई जाती है। छोटी दिवाली, जिसे नरक चतुर्दशी के रूप में भी जाना जाता है और बड़ी दिवाली, जिसे दिवाली के रूप में भी जाना जाता है। महंत विशाल गौड़ ने कहा दीपावली सुख समृद्धि और आपसी भाईचारे का संदेश देती है। राम मंदिर निर्माण से देश का मान विदेशों में होने के साथ अयोध्या का वैभव पुनरूस्थापित हुआ है। इसके लिये कोर्ट के साथ केन्द्र व प्रदेश सरकार भी प्रसंशा की पात्र है। उन्होने मनभेद मिटाकर दीपावली मनाने का संदेश दिया। दिवाली से एक दिन पहले मनाई जाने वाली छोटी दिवाली को नरक चतुर्दशी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन गोबर का दीपक जलाने की प्राचीन परंपरा है। आस्था के अनुसार ऐसा माना जाता है कि ये दीपक नकारात्मक ऊर्जा को दूर करते हैं, घर में सुख-शांति लाते हैं। इस दिन दक्षिण दिशा में जलाए जाने वाले ये दीये यमराज को समर्पित होते है। छोटी दिवाली के दिन लोग यम के लिए दीपदान भी करते हैं। इस दिन हनुमान जी की पूजा भी अत्यंत शुभ व फलदायी मानी जाती है। दिवाली का त्योहार हमें अंधकार पर प्रकाश और बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देता है। यह एकता, प्रेम और भाईचारे को बढ़ावा देता है और हमें अपने भीतर की नकारात्मकता, अज्ञानता और बुराइयों को दूर कर सच्चाई और ज्ञान के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है। यह त्योहार समृद्धि और खुशियों के साथ-साथ उदारता, स्वच्छता और कृतज्ञता जैसे मूल्यों का भी महत्व सिखाता है। भाईचारे को बढ़ावा देता है और हमें अपने भीतर की नकारात्मकता, अज्ञानता और बुराइयों को दूर कर सच्चाई और ज्ञान के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है। यह त्योहार समृद्धि और खुशियों के साथ-साथ उदारता, स्वच्छता और कृतज्ञता जैसे मूल्यों का भी महत्व सिखाता है। मुख्य संदेश बुराई पर अच्छाई की जीत-यह सबसे महत्वपूर्ण संदेश है, जो राम की रावण पर जीत या अन्य पौराणिक कथाओं का प्रतीक है, जिसमें अच्छाई की अंततरू जीत होती है।

# संकल्प से सिद्धि की ओर अग्रसर माओवाद का समापन

वर्ष 2014 के पूर्व माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में 15 अगस्त और 26 जनवरी जैसे राष्ट्रीय पर्वों पर तिरंगा फहराना अपराध माना जाता था, गरीबों के लिए सरकारी सहायता नहीं पहुच पाती थी और दूर दराज के गांवो से किसी भी माध्यम से संपर्क नहीं हो पाता था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में गृहमंत्री अमित शाह ने देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बने माओवाद को मार्च 2026 तक समाप्त करने का जो संकल्प लिया है वह अब सिद्धि की ओर अग्रसर है। देश का एक बहुत बड़ा भू भाग जो विकास की मुख्यधारा से अलग था अब शेष भारत के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने को तत्पर है। माओवाद का अंत गृहमंत्री अमित शाह के संकल्प व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास मन्त्र से ही संभव हो सका है। आज छत्तीसगढ़ के नक्सवलादी आतंकवाद के लिए कुख्यात बस्तर में तिरंगा फहरा रहा है और नक्सलवादियों के गढ़ में गृहमंत्री अमित शाह की जनसभाएं हो रही हैं। गृहमंत्री नक्सलवादियों को स्पष्ट संदेश देते हैं कि, माओवादियों आपके पास अब दो ही विकल्प बचे हैं या तो समर्पण कर दें या फिर एनकाउंटर के लिए तैयार रहें। इस सख्ती का ही असर है कि 17 अक्टूबर 2025 को छत्तीसगढ़ में एक साथ 210 माओवादियों ने समर्पण किया है। उधर महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के समक्ष छह करोड़ रुपए के इनामी माओवादी पोलित ब्यूरो सदस्य मल्लेजुला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति उर्फ सोनू उर्फ अभय ने 60 साथियों सहित बंदूक छोड़कर विकास कि राह थाम ली है। इन माओवादियों ने 54 हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया है जिनमें सात एके 47 और नौ इंसास राइफलें है। भूपति माओवादी संगठन में सबसे प्रभावशाली रणनीतिकारों में माना जाता था और उसने लंबे समय तक महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर अभियानों का नेतृत्व किया। भूपति वही खतरनाक माओवादी आतंकवादी है जिसने छत्तीसगढ़ में सीआरपीएफ के 76 जवानों का नरसंहार किया था। महाराष्ट्र का गढ़चिरौली जिला दशकों से माओवादी गतिविधियों का केंद्र रहा है। इस क्षेत्र के शीर्ष माओवादी का समर्पण शेष बचे हुए नक्सलियों खासकर निचले स्तर के कैडर को सीधा संदेश दे रहा है कि अब जब उनका सबसे बड़ा और अनुभवी नेता हथियर डाल रहा है तो उनके पास भागने या छिपने का कोई रास्ता नहीं बचा है। इससे वे भी समर्पण करने के लिए मन बनायेंगे। यह समर्पण छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, तेलंगाना जैसे राज्यों के लिए शांति का बड़ा संकेत है। भूपति व उसके साथियों के समर्पण करने से माओवादियों की सबसे मजबूत दीवार ढह गई है। जनवरी 2023 में गृहमंत्री अमित शाह ने माओवाद के खिलाफ ऑपरेशन को हरी झंडी दी, उसके बाद से अब तक सुरक्षाबलों ने 312 माओवादियों को मार गिराया है। मारे गए माओवादियों में में सीपीआई माओवादी महासचिव वासव राजू समेत पोलित ब्यूरो और केंद्रीय समिति के आठ सदस्य भी शामिल हैं। 21 जनवरी 2024 से लेकर अब तक माओवाद के खिलाफ अनेक ऑपरेशन सफलतापूर्वक चलाए जा चुके हैं, जिनमें 836 माओवादी गिरफ्तार किये गए हैं और 1639 आत्मसमर्पण कर चुके हैं। आत्मसमर्पण करने वालों में पोलित ब्यूरो और एक केंद्रीय समिति सदस्य शामिल है। वर्ष 2010 में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय मनमोहन सिंह ने माओवाद को भारत की सबसे बड़ी चुनौती बताया था किंतु उस समय राजनैतिक कारणों से माओवाद के पूर्ण सफाए का कोई ब्लूप्रिंट नहीं बन पाया था। मनमोहन सरकार के कार्यकाल में माओवादी बहुत बड़ी चुनौती थे। यह लोग नेपाल के पशुपतिनाथ से आंध्र प्रदेश के तिरुपति तक लाल कारिडोर बनाने का सपना देख रहे थे। यह लोग भारत, भारत के संविधान और भारत कि सनातन संस्कृति से बैर रखते हैं। इनको सशक्त राष्ट्र नहीं चाहिए। वर्ष 2013 में विभिन्न राज्यों के 126 जिलों के माओवादी हिंसा से ग्रस्त होने की रिपोर्ट केंद्र को भेजी गई थी। वर्ष 2014 में मोदी सरकार आने के बाद से मार्च 2025 तक यह संख्या 126 से घटकर केवल 18 जिलों तक सीमित रह गई है। वर्तमान में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या 11 रह गई है। इनमें छत्तीसगढ़ के सात जिले, झारखंड का एक जिला पश्चिम सिंहभूम, मध्यप्रदेश का एक जिला बालाघाट, महाराष्ट्र का एक जिला गढ़ चिरौली और ओडिशा का एक जिला कंधमाल शामिल है। इनमें भी अब छत्तीसगढ़ के तीन जिले बीजापुर, नाराणपुर और सुकमा ही अति माओवादी प्रभावित बचे हैं। वर्ष 2014 के पूर्व माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में 15 अगस्त और 26 जनवरी जैसे राष्ट्रीय पर्वों पर तिरंगा फहराना अपराध माना जाता था, गरीबों के लिए सरकारी सहायता नहीं पहुच पाती थी और दूर दराज के गांवो से किसी भी माध्यम से संपर्क नहीं हो पाता था। अब समय बदल चुका है, छत्तीसगढ़ के माओवाद से मुक्त हुए क्षेत्रों में विकास की नई गंगा बह रही है। बस्तर जैसे कुख्यात जिले मे तिरंगा शान से फहरा रहा है। युवा बड़ी संख्या में खेलो इंडिया जैसे कार्यक्रमों में भागीदारी कर रहे है। माओवादियों से मुक्त हुए क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का तीव्र विकास किया जा रहा है। कल्याणकारी योजनाएं लागू की जा रही हैं जिससे वहां की जनता दोबारा माओवादियों के दुष्प्रचार में न फंसे। माओवाद के विरुद्ध अभियान के अंतर्गत उनकी फंडिग को रोकने का काम भी किया जा है। जैसे-जैसे माओवाद के सफाए का अभियान आगे बढ़ रहा है वैसे वैसे उसके समर्थक राजनैतिक तत्वों के पेट मे दर्द भी उठ रहा है। माओवाद के समर्थन से फल फूल रहे वामपंथी दलो ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर माओवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को बंद करने की अपील तक कर दी। तेलंगना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने तो एक कार्यक्रम में कह दिया कि, माओवाद एक विचारधारा है जो कभी समाप्त नहीं हो सकती। सोशल मीडिया पर भी माओवादी विचारधारा के समर्थकभी यही बात कह रहे हैं कि यह विचारधारा पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकती।

> ***हाराष्ट्र का गढ़चिरौली जिला दशकों से माओवादी गतिविधियों का केंद्र रहा है। इस क्षेत्र के शीर्ष माओवादी का समर्पण शेष बचे हुए नक्सलियों खासकर निचले स्तर के कैडर को सीधा संदेश दे रहा है कि अब जब उनका सबसे बड़ा और अनुभवी नेता हथियर डाल रहा है तो उनके पास भागने या छिपने का कोई रास्ता नहीं बचा है। इससे वे भी समर्पण करने के लिए मन बनायेंगे। यह समर्पण छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, तेलंगाना जैसे राज्यों के लिए शांति का बड़ा संकेत है। भूपति व उसके साथियों के समर्पण करने से माओवादियों की सबसे मजबूत दीवार ढह गई है। जनवरी 2023 में गृहमंत्री अमित शाह ने माओवाद के खिलाफ ऑपरेशन को हरी झंडी दी, उसके बाद से अब तक सुरक्षाबलों ने 312 माओवादियों को मार गिराया है। मारे गए माओवादियों में में सीपीआई माओवादी महासचिव वासव राजू समेत पोलित ब्यूरो और केंद्रीय समिति के आठ सदस्य भी शामिल हैं। 21 जनवरी 2024 से लेकर अब तक माओवाद के खिलाफ अनेक ऑपरेशन सफलतापूर्वक चलाए जा चुके हैं, जिनमें 836 माओवादी गिरफ्तार किये गए हैं और 1639 आत्मसमर्पण कर चुके हैं। आत्मसमर्पण करने वालों में पोलित ब्यूरो और एक केंद्रीय समिति सदस्य शामिल है। वर्ष 2010 में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय मनमोहन सिंह ने माओवाद को भारत की सबसे बड़ी चुनौती बताया था किंतु उस समय राजनैतिक कारणों से माओवाद के पूर्ण सफाए का कोई ब्लूप्रिंट नहीं बन पाया था। मनमोहन सरकार के कार्यकाल में माओवादी बहुत बड़ी चुनौती थे। यह लोग नेपाल के पशुपतिनाथ से आंध्र प्रदेश के तिरुपति तक लाल कारिडोर बनाने का सपना देख रहे थे। यह लोग भारत, भारत के संविधान और भारत कि सनातन संस्कृति से बैर रखते हैं। इनको सशक्त राष्ट्र नहीं चाहिए। वर्ष 2013 में विभिन्न राज्यों के 126 जिलों के माओवादी हिंसा से ग्रस्त होने की रिपोर्ट केंद्र को भेजी गई थी। वर्ष 2014 में मोदी सरकार आने के बाद से मार्च 2025 तक यह संख्या 126 से घटकर केवल 18 जिलों तक सीमित रह गई है। वर्तमान में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या 11 रह गई है। इनमें छत्तीसगढ़ के सात जिले, झारखंड का एक जिला पश्चिम सिंहभूम, मध्यप्रदेश का एक जिला बालाघाट, महाराष्ट्र का एक जिला गढ़ चिरौली और ओडिशा का एक जिला कंधमाल शामिल है। इनमें भी अब छत्तीसगढ़ के तीन जिले बीजापुर, नाराणपुर और सुकमा ही अति माओवादी प्रभावित बचे हैं। वर्ष 2014 के पूर्व माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में 15 अगस्त और 26 जनवरी जैसे राष्ट्रीय पर्वों पर तिरंगा फहराना अपराध माना जाता था, गरीबों के लिए सरकारी सहायता नहीं पहुच पाती थी और दूर दराज के गांवो से किसी भी माध्यम से संपर्क नहीं हो पाता था। अब समय बदल चुका है, छत्तीसगढ़ के माओवाद से मुक्त हुए क्षेत्रों में विकास की नई गंगा बह रही है। बस्तर जैसे कुख्यात जिले मे तिरंगा शान से फहरा रहा है। युवा बड़ी संख्या में खेलो इंडिया जैसे कार्यक्रमों में भागीदारी कर रहे है। माओवादियों से मुक्त हुए क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का तीव्र विकास किया जा रहा है।***

## दशकों साल बाद भी जख्मों में टीस बाकी है,अब भी नहीं चेत रहे चीनी गतिविधियों से

हुजैफा

20 अक्टूबर 1962 में भारत-चीन सीमा पर आज भी वह युद्ध के भयानक लम्हें उन लोगो को याद है जिन्होंने इस लड़ाई को देखा और महसूस किया। आज दशकों बीत जाने के बाद भी हार के घाव टीस रहे है। सेना अपने उन जवानों को याद कर रही जिन्होंने अभावों और कम संसाधनों के कारण अपनी जान गवांई। हमने इतने सालों में भी इस हार से सबक नहीं लिया है। विकट मौसम में बिना साधनों के हमारे वीर सैनिकों ने भारत की रक्षा के लिये अपने प्राणों की आहूति दे दी। ऐसी सर्द हवाएं जिसमें लोगो को घर में रजाई मे भी सर्दी लगे और ऐसा घटाटोप अंधेरा की अपने ही हाथ न दिखाई दे ऐसी भयानक सर्दी और पहाडी दुर्गम रास्तों पर चीन ने धोखे से भारत को 1962 में 19-20 की रात भारत पर हमला किया। अरुणाचल और सिक्कीम में घमासान हुआ, चीन ने स्वंय ही 14 नबम्बर को युद्ध विराम किया। इस दौरान उसने भारत के अपने से सटे हुए इलाको पर अपना लाल पर्चम फहरा दिया जो आज भी लहरा रहा है। इस शिकस्त में कुमाडं रेजीमेंट के 114 लड़ाके शहीद हुए थे। यह कटु सत्य है कि चीन ने हमको हमारी ही धरती पर बुरी तरह हराया और हमारी जमीन पर अपना कब्जा किया जिसमें से आज भी 50 प्रतिशत भूमि चीन के कब्जे में है और हमारी सरकारें उसे चीनी कब्जें से मुक्त कराने में असफल ही रहीं है। 14 नवम्बर को भारतीय संसद में यह कसम ली गई कि भारत अपने इलाके को चीन से वापस लेकर ही दम लेगा किन्तु आज पूरे 63 साल हो जाने के बाद भारत सिर्फ आधी जमीनों पर ही अपना कब्जा कर पाया है। आधे पर आज भी चीनी सेना काबिज है। यह सच है कि भारत ने इस हार से कुछ सीख नहीं ली। चीन ने भारत को1962 में धोखे से युद्ध के मुहं में

ढ़केल दिया था, भारत यह लड़ाई तो हार गया। किन्तु इस हार से अब तक भारत ने सबक नहीं लिया। उसी का नतीजा है कि आज भारत को चीन चारों ओर से घेर रहा है। चीन का भारत की अर्थव्यवस्था और पड़ोसी देशों से दोस्ती किसी नई साजिश के तहत हो रही है। भारत का इतिहास अगर उटा कर देखा जाये तो हम यह पायेंगे कि अब तक जितने भी विदेशी आक्रमणकारी आये उन्होंने हमे लूटने के अलावा हमारी आत्मा को जो चेट दी उसकी टीस आज हजारों साल बाद भी उतनी ही होती है। चाहे सिकन्द ने भारत पर हमला किया हो या महमूद गजनवी ने हमारे मंदिरों में लूट की हो चाहे जय चन्द्र ने वतन का सौदा किया हो, हर हाल में देश की आत्मा और मान सम्मान का ही सौदा किया गया है। सभी ने हमारे आत्म सम्मान को ठेस पहुंचाई है, भारत के अंचल को दागदार किया गया है। फिर भी भारत मां ने अपने आंचल में विदेशियों को भी बराबर मान-सम्मान दिया है। सिकन्द से लेकर अंग्रेजों और अब भारत के पडोसी देशों से भारत की आत्मा कराह रही है। इसे इस तकलीफ से कब तक निजात मिलेगी पता नहीं पर यह जरुर मालूम है कि हमारी सरकारों को इस बात की कोई चिन्ता नहीं वह बस अपना नफा हर बात हर काम में देखते है। १९९९ में एक बार फिर कारगिल की वह काली रात भारत को देखनी पड़ी जब एक बार फिर पाकिस्तान के जनरल पवेज मुर्शरफ ने भारत को कारगिल की लड़ाई में झोक दिया। चीन युद्ध के 63 सालों और अब के सुधारों के बारे में जब हमने कुछ पुराने सेनाधिकारियों से हार के कारणों और अपनी सेना में सुधार के बारे में जानना चाहा तो उन्होने जो बताया वह वास्तव में दहलाने वाला कड़वा सच है। उन्होंने बताया हमने इन पैसठ सालों में हर क्षेत्र में तकनीकी, खेल, आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक क्षेत्र में काफी उन्नति की और उस खाई को काफी हद तक पार भी किया किन्तु चीन हमसे इस दौरान दस गुना आगे बढ़ गया है। यह कटु किन्तु सत्य है कि आज चीन अपनी तुलना दुनिया के सबसे ताकतवर देश अमेरिका से कर रहा है और भारत अपने भ्रष्टाचार, घोटालों और आन्तरिक परेशानियों से जूझ रहा है। किन्तु चीन ने हर क्षेत्र में हमसे अधिक तरक्की की और आज वह हमसे बेहतर स्थिति में होने के कारण हमे चारों ओर से घेरने के अलावा वह पाकिस्तान को मदद के माध्यम से वहां अपना ठीहा बना रहा है। चीन ने लंका की मदद कर वहां अपने खडे रहने की जमीन बना ली है। भारत ने इन 63 सालों में काफी तरक्की की है किन्तु हमारे देश की अधिकांश ताकत का इस्तेमाल आन्तरिक सुरक्षा के लिये हो रहा है। भारत को जितना विरोध विदेशियों से सहना पड़ रहा है उतना ही उसे देश के अन्दर अपने ही लोगो जो भटक गये और आतंकवादियों, माओवादियों और नक्सलियों बन गये उनसे लड़ना पड़ रहा है। इससे भारत की सेनाओं को इससे बेजा बोझ और आर्थिक क्षति उठानी पड़ रही है। इस बारे में एक पूर्व सेनाध्यक्ष ने बताया पहले राजाओं और खानादानों के लोग अपने परिवार के बच्चों को सेना में भेजते थे किन्तु आज अच्छे घरानों और नेताओं के बच्चें सेना में जाना नहीं चाहते।

## बाहर-भीतर उजाले के साथ फैलाएं सर्वत्र खुशहाली

आशीष बाजपेयी

अंधकार पर प्रकाश, अज्ञान पर ज्ञान, दुष्चरित्रता पर सच्चरित्रता की और निराशा पर आशा की जीत का पर्व दीपावली भारतीय संस्कृति व सामाजिक दर्शन का मूल भाव दशार्ता है। पारंपरिक रूप से इस मौके पर लक्ष्मी पूजन के साथ खुशहाली की कामना समाज के हर वर्ग के लिए है जिसे बढ़ावा देने की जरूरत है। दूसरे पर्वों की तरह यह पर्व भी प्रकृति व सामाजिक परिवेश के प्रति दायित्व निभाने का संदेश लिये है। मसलन हम पारंपरिक उद्यमों से निर्मित सामान खरीदकर उन्हें संबल दें। वहीं यथा-संभव पर्यावरण-मित्र दिवाली मनाएं। अठारहवीं सदी के शायर नजीर अकबराबादी ने लिखा है, हर इक मकां में जला फिर दिया दिवाली का हर इक तरफ को उजाला हुआ दिवाली का। दिवाली आम त्योहार नहीं है। यह हमारे सामाजिक दर्शन से जुड़ा पर्व है। भारत का यह सबसे शानदार त्योहार है, जो दरिद्रता और गंदगी के खिलाफ है। अंधेरे पर उजाले, दुष्चरित्रता पर सच्चरित्रता, अज्ञान पर ज्ञान की और निराशा पर आशा की जीत का पर्व। यह सामाजिक नजरिया है, ह्यतमसो मा ज्योतिर्गमय॥ ह्यअंधेरे से उजाले की ओर जाओ॥ यह उपनिषद् की आज्ञा है। क्या ज्ञान की इस रोशनी का मतलब हम समझते हैं? दीपावली का वास्तविक संदेश है, अज्ञान को त्यागें और ज्ञान की रोशनी फैलाएं। दीपावली लक्ष्मी की पूजा का पर्व है। अर्थात हम समृद्धि के पुजारी हैं। समृद्धि का अर्थ है, जीवन में खुशहाली। पर यह खुशहाली तभी सार्थक है, जब वह पूरे समाज के लिए उपलब्ध हो। निजी तौर पर किसी एक व्यक्ति या एक समूह के लिए नहीं। यह विचार और सिद्धांत आज भी जीवन पर लागू होता है। इसका आशय है कि यह समृद्धि समावेशी होनी चाहिए। समाज के प्रत्येक वर्ग तक इस समृद्धि का लाभ पहुंचे। हम अपने परंपरागत पर्वों और उत्सवों की मूल भावना पर गौर करें, तो पाएंगे कि उनकी संरचना इस प्रकार की थी कि समाज का प्रत्येक वर्ग उस खुशी में शामिल था। इसी भावना को आज भी बढ़ावा देने की जरूरत है। दीपावली केवल एक पर्व नहीं है। कई पर्वों का समुच्चय है। इस दौरान पांच दिनों के पर्व मनाए जाते हैं। इन पांच दिनों में हमारी परंपरागत जीवन-शैली, खानपान और सामाजिक संबंधों पर भी रोशनी पड़ती है। हम अपने पारंपरिक उद्यमों को संरक्षण देते हैं, ताकि समाज के सभी वर्गों को उत्सव का लाभ मिले। यह भी कि हम अपने पारंपरिक उद्यमों को नहीं भूलें। सवाल है कि क्या अब हमारी दिवाली वही है, जो इसका मौलिक विचार और दर्शन है? अपने आसपास देखें तो आप पाएंगे कि इस रोशनी के केंद्र में अंधेरा भी है। यह मानसिक दरिद्रता का अंधेरा है। पर्यावरण को प्रदूषित करने वाले पटाखों को दागने में संयम बरतने के लिए हमें सुप्रीम कोर्ट के आदेश का इंतजार करना पड़ रहा है। यह तो हमारी अपनी जिम्मेदारी थी। बेशक उत्सव का पूरा आनंद लें, पर उन सामाजिक दायित्वों को न बिसराएं, जो इन पर्वों के साथ जुड़े हैं। जिनका हमारे पूर्वजों ने पालन किया। जैसे-जैसे दीपावली नजदीक आती है, उत्तर भारत के आकाश पर कोहरे की परत गाढ़ी होने लगती है। माहौल में ठंड का प्रवेश होता है, जिसके कारण हवा भारी होने लगती है और वह तेजी से ऊपर नहीं उठती, जिसके कारण धुआं और गर्द ह्यस्मॉगह्ल की शक्ल ले लेता है। ह्यस्मॉगह्ल परंपरागत अवधारणा नहीं है, क्योंकि रोजमर्रा के जीवन से जुड़ी हमारी गतिविधियां ह्यस्मॉगह्ल बनने नहीं देती थीं। पर औद्योगिक विकास ने ह्यस्मॉगह्ल को जन्म दे दिया है। सवाल है, ऐसे में हम क्या करें? इसका जवाब है, अपने दायित्वों का निर्वाह करें। पर क्या आप जानते हैं हमारे दायित्व क्या हैं? आपने भले ही न सोचा हो, पर हमारे समझदार पूर्वजों ने जरूर सोचा था। बेशक उन्होंने अपने समय के परिप्रेक्ष्य में सोचा था, और हमें आज के परिप्रेक्ष्य में सोचना होगा। वर्षा ऋतु की समाप्ति के साथ भारतीय समाज सबसे पहले अपने पूर्वजों के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए पितृ-पक्ष मनाता है। उसके बाद पूरे देश में त्योहारों और पर्वों का सिलसिला शुरू होता है, जो अगली वर्षा ऋतु आने के पहले तक चलता है। जनवरी-फरवरी में वसंत पंचमी, फिर होली, नव-संवत्सर, अप्रैल में वार्सतिक-नवरात्र, रामनवमी, गंगा दशहरा, वर्षा-ऋतु के दौरान रक्षा-बंधन, जन्माष्टमी, शिव-पूजन, ऋषि पंचमी, तीज, फिर शारदीय नवरात्र, करवाचौथ, दशहरा और दीपावली और छठ पूजा वगैरह। इन सभी पर्वों और उत्सवों की सामाजिक-सांस्कृतिक और आर्थिक भूमिका है, जिसे समझे बगैर इन्हें मनाने का कोई मतलब नहीं है। जाने-अनजाने दीपावली की रात आप अपने घर में एलईडी के जिन नन्हें बल्बों से रोशनी करने वाले हैं उनमें से ज्यादातर विदेश (चीन आदि) में बने होंगे। हालांकि पिछले कुछ वर्षों की सामाजिक-चेतना ने स्वदेशी-सामग्री की ओर भी हमें प्रेरित किया है, पर ज्यादा बड़ा अंतर नहीं आया है। वैश्वीकरण की वेला में हमें इन बातों के निहितार्थ और अंतर्विरोधों को समझना चाहिए। दीपावली के मौके पर बाजारों में भारतीय खिलौने भी कम होते जा रहे हैं। उनकी जगह चीन में बने खिलौने ले रहे हैं। भारतीय बाजार की जरूरतों को समझ कर माल तैयार करना और उसे वाजिब कीमत पर उपलब्ध कराना व्यावसायिक सफलता है। हमारे पास इस बात के प्रमाण हैं कि भारत की परम्परागत उद्यम-भावना कमजोर नहीं है। उसे उचित दिशा और थोड़ा सा सहारा चाहिए और जोखिमों से निपटने वाली मशीनरी भी।

# डोनाल्ड ट्रंप के फर्जी दावें

प्रेम शर्मा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दोहरा रवैया एक बार फिर सामने आया है। सितंबर को उनके दो बयान दिनभर सुर्खियां बटोरते रहे। लेकिन उक्त बयानों की हवा निकल गई। अब उनके एक और दावे की भारत ने खण्डन कर दुनिया को बता दिया है कि डोनाल्ड ट्रंप फर्जी दावे करते करते है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले बुधवार को दावा किया कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से आश्वासन दिया है कि उनका देश रूसी तेल खरीदना बंद कर देगा। उन्होंने कहा कि यह बदलाव तुरंत नहीं होगा, बल्कि कुछ समय में होगा। इसका भारत की तरफ अगले ही दिन इसका खंडन आ गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत तेल और गैस का एक महत्वपूर्ण आयातक है।अस्थिर ऊर्जा परिदृश्य में भारतीय उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना हमारी निरंतर प्राथमिकता रही है। हालाँकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हर कुछ दिन बाद ऐसे दावे करते दिखते हैं, जो पहली नजर में बड़े महत्त्व के लगते हैं। मगर थोड़ा वक्त गुजरते ही उनके दावों को लेकर जिस तरह के तथ्य सामने आते हैं, उससे उनकी बातों की विश्वसनीयता पर संदेह खड़े हो जाते हैं। पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने जब पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर हमले किए, तो उस संघर्ष को रोकने को लेकर हाल में ट्रंप ने जिस तरह के दावे किए और भारत ने उसे निराधार बताया, उससे उनकी स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। यही नही अभी एक और दावा बयान इजराइल और हमास को लेकर उनका सामने आ रहा है। अमरीकी राष्टपति ट्रम्प की पहल पर इस्त्राईल हमास समझौते को इस्त्राईली मानेंगे इसका यकीन किसी को नहीं है। अब शुल्क लगाने की नीति के जरिए व्यापार युद्ध की स्थिति खड़ी करने के क्रम में अमेरिका ने रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर जुमार्ना लगाने की घोषणा कर भारत पर दबाव बनाने की विचित्र कोशिश शुरू की है। जब भारत ने इस संबंध में नीतिगत फैसला लेने के अपने अधिकार के तहत रूस से तेल आयात करना जारी रखा, तो अब ट्रंप ने अलग स्तर का दावा करके भारत को असहज करने का प्रयास किया है।दरअसल, अमेरिका की ओर से जुमार्ना लगाने की घोषणा के बावजूद भारत ने रूस से कच्चे तेल के आयात के संबंध में अपने हितों के अनुकूल फैसले पर अमल जारी रखा है। इसी के मद्देनजर अब ट्रंप ने एक नया राग छेड़ा है, जिसके जरिए शायद वे भारत को कमजोर साबित करने की इच्छा रखते हैं। ट्रंप ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत अब रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा। ऐसा लगता है कि रूस से तेल खरीद को लेकर भारत के बारे में ट्रंप ने जो कहा है, उसका मकसद भी सिर्फ भारत पर दबाव बनाना और रूस को उकसाना भर है। इस तरह की खोखले बातों के जरिए ट्रंप क्या हासिल कर लेंगे ? ट्रंप अक्सर वे अलग-अलग देशों के बीच युद्ध रुकवा देने का श्रेय लेते हैं और इस नाते उन्होंने नोबेल शांति सम्मान पाने की भी इच्छा जताई। जबकि पाकिस्तान के साथ हुए टकराव में भारत यह साफ कर चुका है कि संघर्ष विराम में ट्रंप की कोई भूमिका नहीं थी। भारत के साथ व्यापार वार्ता के किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले ही उन्होंने जिस तरह भारी आयात शुल्क लगाने की घोषणा कर दी और उसका दायरा और विस्तृत किया, वह एक तरह से अन्य देशों और खासतौर पर भारत के नीतिगत फैसलों को प्रभावित करने की ही कोशिश थी। कं मगर रूस से कच्चे तेल के आयात को लेकर जुमार्ना लगाने की घोषणा से यह साबित हुआ कि अमेरिका की नजर में भारत या अन्य देशों के नीतिगत फैसले लेने के अधिकार और संप्रभुता की कितनी कद्र है। इसी तरह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम का कई बार दावा कर चुके हैं। पहली बार 10 मई को, जब ट्रंप ने सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि वाशिंगटन की मध्यस्थता में हुई बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल संघर्ष विराम के लिए सहमत हो गए हैं। जबकि भारत ने तत्काल किसी भी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से लगातार इनकार किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस से तेल खरीद को लेकर लगातार भारत को घेरते रहे हैं। ट्रंप अक्सर भारत और चीन पर रूसी हथियार खरीदने का आरोप लगाता रहा है। इसके बारे में राष्ट्रपति ट्रंप का दावा है कि यह हथियार यूक्रेन के खिलाफ मास्को के युद्ध में उसे धन मुहैया कराते हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने रूस से तेल आयात करने को लेकर अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ भी लगा चुके हैं। ट्रंप कहते चुके हैं कि भारत को इस बात की कोई परवाह नहीं है कि यूक्रेन में रूस की युद्ध मशीन कितने लोगों की जान ले रही है। इसी वजह से मैं भारत से अमेरिका को दिए जाने वाले शुल्क को काफी बढ़ाने जा रहा हूं।दूसरी तरफ, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने ही ट्रंप के दावे को यह कह कर खारिज कर दिया कि भारत उनके साथ है।

## अफगानिस्तान की जगह ये टीम लेगी त्रिकोणीय सीरीज में हिस्सा, पीसीबी ने दी जानकारी; जानें कार्यक्रम

लाहौर (एजेंसी)। रावलपिंडी में शुरू हो रहे इस टूनार्मेंट में श्रीलंका तीसरी टीम है। जिम्बाब्वे की भागीदारी की घोषणा करते हुए पीसीबी ने केवल इतना कहा कि अफगानिस्तान ने इस टूनार्मेंट में भाग लेने में अपनी असमर्थता व्यक्त की है। अफगानिस्तान की जगह जिम्बाब्वे की टीम तीन देशों के टी20 अंतरराष्ट्रीय टूनार्मेंट में शामिल होगी। त्रिकोणीय सीरीज का आयोजन 17 से 29 नवंबर तक पाकिस्तान में होना है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस बात की जानकारी दी है। दरअसल, अफगानिस्तान ने इससे पहले पाकिस्तान के हवाई हमले में अपने तीन क्रिकेटरों की मौत का हवाला देते हुए शनिवार को घोषणा की थी कि वह इस टूनार्मेंट के लिए अपनी टीम पाकिस्तान नहीं भेजेगा। रावलपिंडी में शुरू हो रहे इस टूनार्मेंट में श्रीलंका तीसरी टीम है। जिम्बाब्वे की भागीदारी की घोषणा करते हुए पीसीबी ने केवल इतना कहा कि अफगानिस्तान ने इस टूनार्मेंट में भाग लेने में अपनी असमर्थता व्यक्त की है।

# दिवाली पर राधिका मर्चेंट का ट्रेडिशनल स्टाइल वायरल

## गजरा और झुमकों के साथ दिखीं बेहद ग्लैमरस

राधिका मर्चेंट ने 17 अक्टूबर को आयोजित रिलायंस की दिवाली पार्टी में अपने शानदार और स्टाइलिश एथनिक लुक से सभी का ध्यान आकर्षित किया। गुलाबी और सुनहरे रंग के अनारकली सेट में दिखीं राधिका ने ट्रेडिशनल और मॉडर्न फैशन का बेहतरीन मेल पेश करते हुए इस खास मौके की शान बढ़ाई। अंबानी परिवार की सबसे छोटी बहू का यह लुक सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहा है। राधिका ने इस थ्री-पीस अनारकली सेट में एक खूबसूरत रेशमी कुर्ता पहना था, जिसमें अंगरखा स्टाइल की चोली, स्प्लिट बंदगला नेकलाइन और पूरी बाजू थी। कुर्ते पर बारीक गोटा वर्क, जरी, सीक्विन और मोतियों की नक्काशी ने इसे बेहद शाही और ग्लैमरस बना दिया था। इसके साथ उन्होंने फ्लेयर्ड पलाजो पैंट और कढ़ाईदार दुपट्टा कैरी किया, जो उनके पूरे लुक को और भी शानदार बना रहा था। राधिका ने अपने बालों को स्लीक जूड़ा बनाया और उसमें पारंपरिक गजरा लगाया, जो उनके पारंपरिक लुक को और निखार रहा था। उन्होंने पोल्की और डायमंड ज्वेलरी पहनी, जिसमें जूड़े से जुड़ी ईयर चेन और एक सिंगल स्टोन डायमंड रिंग शामिल थी। उनके मेकअप में गुलाबी आईशैडो, आईलाइनर, मस्कारा के साथ-साथ फ्यूशिया पिंक लिपशेड और हल्की कंटूरिंग ने उनके चेहरे की खूबसूरती को बढ़ा दिया। राधिका मर्चेंट, जो उद्योगपति वीरेन मर्चेंट और शैला मर्चेंट की बेटी हैं, ने जुलाई 2024 में अंबानी परिवार के सबसे छोटे बेटे अनंत अंबानी के साथ शादी की थी। यह शादी बेहद भव्य और यादगार रही थी, जिसमें परिवार और सेलिब्रिटी की भीड़ शामिल हुई थी। दिवाली पार्टी में राधिका का यह स्टाइलिश और ट्रेडिशनल अवतार दर्शाता है कि वह न केवल फैशन की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं, बल्कि एथनिक पहनावे में भी उनका कोई मुकाबला नहीं। इस दिवाली, राधिका ने दिखा दिया कि पारंपरिक पोशाक भी कितनी ग्लैमरस और स्टाइलिश हो सकती है।

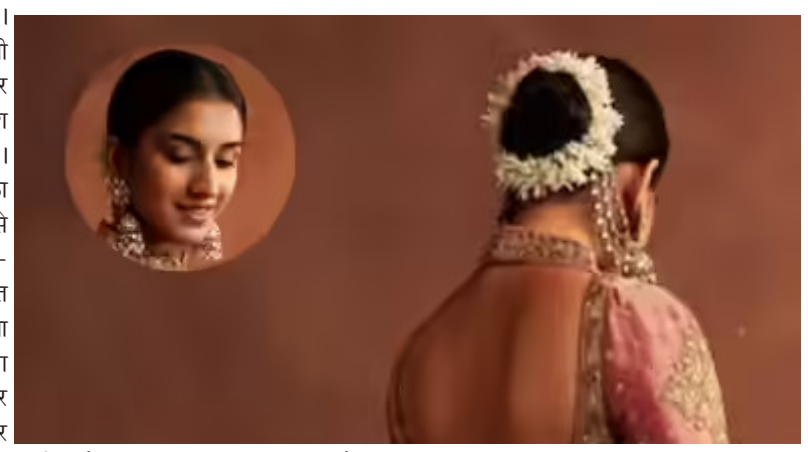

## 3 भाई तीनों तबाही..सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम ने सौतेले भाइयों संग शेयर की तस्वीर, पोस्ट पर लोगों के खूब आए कमेंट

देश में इन दिनों फेस्टिव सीजन चल रहा है, ऐसे में हर जगह, बाजारों में और घरों में खूब रौनक देखने को मिल रही है। वहीं बॉलीवुड इंडस्ट्री में भी हर साल की तरह त्योहार खूब धूमधाम से मनाए जा रहे हैं। सेलेब्स अपने परिवारों और करीबियों के साथ जश्न मनाते नजर आ रहे हैं। इसी बीच सैफ अली खान के लाडले इब्राहिम अली खान ने दिवाली से पहले ही अपने फैंस को शुभकामनाएं दी हैं और अपने भाइयों संग एक प्यारी सी तस्वीर शेयर की है, जो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही है। इब्राहिम अली

खान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह अपने दोनों सौतेले भाइयों यानि स्टेप मदर करीना कपूर के बेटों तैमूर अली खान और जहांगीर अली खान (जेह) के साथ नजर आ रहे हैं। तस्वीर में इब्राहिम ब्लैक शेरवानी में हैंडसम लग रहे हैं। वहीं तैमूर रेड कलर के कुर्ते में दिख रहे, तो उनके सबसे छोटे भाई जेह मूंह में बोलत डाले शरारत करते दिख रहे हैं। इस क्यूट सी फोटो को शेयर करते हुए इब्राहिम ने कैप्शन में लिखा, तीनों भाई तीनों तबाही हैप्पी दिवाली। इस तस्वीर के सामने आने के बाद पोस्ट पर यूजर्स के कमेंट्स की बाढ़ आ गई। एक यूजर ने कहा, तीनों क्यूटीज एक फ्रेम में। दूसरे ने लिखा, सैफ अली खान प्रोसैफ अली खान लाइट.करीना कपूर खान प्रो। ऐसे ही अन्य कई यूजर्स ने भी कमेंट कर अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दी। बता दें, इब्राहिम अली खान, सैफ अली खान की पूर्व पत्नी अमृता सिंह के बेटे हैं, जबकि तैमूर और जेह, सैफ की दूसरी बीवी करीना कपूर के बच्चे हैं।

## 'गदर' के बाद अब 'गबरू' बनेंगे सनी देओल

### *68वें बर्थडे पर नई फिल्म का ऐलान; फर्स्ट लुक रिलीज*

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल ने अपने जन्मदिन पर अपने प्रशंसकों के लिए एक खास घोषणा की है। उन्होंने अपनी नई फिल्म 'गबरू' का एलान करते हुए, उसका पहला लुक जारी किया है। साथ ही रिलीज डेट का भी खुलासा कर दिया है। आज रविवार यानी 19 अक्तूबर को अभिनेता सनी देओल अपना 68वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास अवसर पर अभिनेता की नई फिल्म की घोषणा हुई है, जिसके फर्स्ट लुक में सनी पाजी प्रभावी अंदाज में नजर आ रहे हैं। चलिए जानते

हैं क्या है फिल्म को लेकर जानकारी। अभिनेता ने बताई रिलीज डेट अभिनेता सनी देओल की आगामी फिल्म का नाम 'गबरू' है। इस फिल्म को शशांक उदापुरकर ने लिखा और निर्देशित किया है। अभिनेता ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी आगामी फिल्म का फर्स्ट लुक जारी किया है। इसे साझा करते हुए अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, शक्ति वो नहीं है जो आप दिखाते हैं, शक्ति वो है जो आप करते हैं! आप सभी के प्यार और आशीर्वाद के लिए धन्यवाद। यहां आप सभी के लिए कुछ है जो इंतजार कर रहे हैं 'गबरू' सिनेमाघरों में 13 मार्च 2026 को रिलीज होगी, जो साहस, विवेक और करुणा की एक कहानी है।' एक नजर फिल्म पर ओम छंगानी और विशाल राणा द्वारा निर्मित यह फिल्म 13 मार्च, 2026 को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। मिथुन के संगीत और सईद कादरी के बोले का संयोजन होगा। इस फिल्म को शशांक उदापुरकर ने लिखा और निर्देशित किया है सनी देओल का वर्कफ्रंट सनी देओल के काम की बात करें तो उनके पास आगे कई प्रोजेक्ट्स है। वह अगली बार अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित 'बॉर्डर 2' में नजर आएंगे । वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी अभिनीत यह युद्ध ड्रामा 22 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अगले साल, वरिष्ठ अभिनेता के पास दिवाली पर रिलीज के लिए नितेश तिवारी की 'रामायण पार्ट 1' भी है।

## दिवाली पार्टी में इब्राहिम ने मचाई तबाही, एक्स हसबैंड के निधन के बाद मुस्कुराती दिखीं करिश्मा

बॉलीवुड में दिवाली का जश्न पूरे शबाब पर है और इस बार करीना कपूर खान की प्री-दिवाली पार्टी ने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी है। घर पर रखी गई इस इंटिमेट पार्टी में परिवार के खास लोगों और करीबी दोस्तों ने शिरकत की। लेकिन इस पार्टी का असली सेंटर ऑफ अट्रैक्शन बने इब्राहिम अली खान, जिन्होंने अपने दोनों छोटे भाइयों तैमूर और जेह के साथ मिलकर पूरी महफिल लूट ली। करीना कपूर के सौतेले बेटे इब्राहिम अली खान ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक फोटो शेयर की है, जिसमें वह तैमूर और जेह के साथ मजेदार अंदाज में नजर आ रहे हैं। तीनों भाइयों के चेहरों की मासूमियत और मस्ती ने फैंस का दिल जीत लिया है। फोटो शेयर करते हुए इब्राहिम ने लिखा तीनों भाई, तीनों तबाही। यह कैप्शन सोशल मीडिया पर इतना वायरल हो गया कि लोगों ने कमेंट्स में इब्राहिम की तारीफों के पुल बांध दिए। करीना कपूर ने अपने घर पर बिना ज्यादा शोर-शराबे के इंटिमेट दिवाली पार्टी रखी थी। इस जश्न में करीना के परिवार और उनके करीबी दोस्त ही शामिल हुए। फोटोज में करीना पारंपरिक आउटफिट में बेहद खूबसूरत लग रही थीं, वहीं पति सैफ अली खान भी रॉयल लुक में नजर आए। सोहा अली खान और अमृता अरोड़ा जैसी करीना की क्लोज फ्रेंड्स ने भी पार्टी की झलकियां शेयर कीं, जिन्हें देखकर फैंस ने कहा पटौदी परिवार की दिवाली सबसे रॉयल। इस पार्टी में करीना की बहन करिश्मा कपूर (लोलो) भी शामिल हुईं। हाल ही में वह अपने एक्स हसबैंड संजय कपूर के निधन के बाद मायूस नजर आई थीं, लेकिन इस पार्टी में लोलो फिर से मुस्कुराती दिखीं। उन्होंने ब्लैक एंड व्हाइट कलर के खूबसूरत आउटफिट में पार्टी अटेंड की और दोस्तों के साथ हंसती-मुस्कुराती नजर आईं। उनकी फोटोज को देखकर फैंस ने कहा लोलो फिर से अपने पुराने अंदाज में लौट आई हैं। सोहा अली खान, अमृता अरोड़ा और करिश्मा कपूर ने इस पार्टी की झलकियां इंस्टाग्राम पर शेयर कीं, जिन्हें फैंस ने खूब पसंद किया। करीना और करिश्मा की साथ वाली फोटो को लेकर लोगों ने लिखा दोनों बहनें आज भी बॉलीवुड की सबसे ग्रेसफुल डिवाज हैं। इस पार्टी ने यह साबित कर दिया कि कपूर खानदान की दिवाली सबसे खास होती है जहां रॉयल्टी, परिवारिक प्यार और मस्ती तीनों एक साथ दिखते हैं। इब्राहिम, तैमूर और जेह की फोटो तो अब इस साल की सबसे प्यारी दिवाली मोमेंट बन चुकी है।

## विवेक अग्निहोत्री ने बताया द फाइल्स ट्रायलॉजी के पीछे परिवार की प्रेरणा

फिल्ममेकर विवेक रंजन अग्निहोत्री, जो द ताशकंद फाइल्स, द कश्मीर फाइल्स और हाल ही में आई द बंगाल फाइल्स जैसी सोचने पर मजबूर करने वाली फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने कोमल नाहटा के गेम चेंजर्स पॉडकास्ट में एक दिल छू लेने वाला खुलासा किया। उन्होंने बताया कि कैसे उनकी फैमिली, खासतौर

पर उनकी पत्नी पल्लवी जोशी और उनके बच्चों ने द फाइल्स फ्रेंचाइज की शुरूआत में अहम भूमिका निभाई है। विवेक अग्निहोत्री ने उस पल को याद किया जब उन्होंने और पल्लवी जोशी ने पहली बार द कश्मीर फाइल्स बनाने पर चर्चा की थी। उन्होंने कहा, घ्हम इंडिपेंडेंट फिल्म मेकर्स हैं। जब मैं और पल्लवी द कश्मीर फाइल्स के बारे में बात कर रहे थे, खासकर इसके विषय को लेकर, तो हमने अपने बच्चों को बुलाया। पल्लवी ने उनसे पूछा कि क्या वे इस इंडिया से सहमत हैं, क्योंकि यह एक गंभीर मुद्दा है। वे तब तक बड़े हो चुके थे, हमने उनके सामने यह इडिया रखा और वे तुरंत इसके लिए सहमत हो गए। उन्होंने आगे बताया कि कैसे उनके बच्चों की प्रतिक्रिया इस फिल्म को बनाने के उनके निर्णय में एक अहम मोड़ साबित हुई। विवेक रंजन अग्निहोत्री ने कहा, उन्होंने मुझसे कहा कि अगर शिंडलर्स लिस्ट जैसी फिल्म बन सकती है तो यह फिल्म भी बन सकती है। उन्होंने मेरे साथ इन फिल्मों पर काम भी किया है। उन्होंने कहा, एक फिल्ममेकर के लिए इससे बड़ी बात क्या हो सकती है कि अगर आप एक महान फिल्म बनाते हुए मर भी जाएं तो क्या फर्क पड़ता है। और उन्होंने कहा कि हम भी इस फिल्म पर काम करेंगे, इसी तरह वे फिल्ममेकिंग में आए।विवेक रंजन अग्निहोत्री ने हाल ही में द बंगाल फाइल्स का डायरेक्शन किया है, जो इस ट्रायलॉजी की तीसरी फिल्म है। यह फिल्म 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इसे विवेक रंजन अग्निहोत्री, पल्लवी जोशी और अभिषेक अग्रवाल ने प्रोड्यूस किया है।

## अपने पार्टनर को कैसे सुधारे? सुनीता ने बिग बॉस में सलमान से पूछा ये सवाल, मिला धमाकेदार जवाब

टेलीविजन का चर्चित रियलिटी शो बिग बॉस 19 लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। बीती रात हुए वीकेंड वार एपिसोड में मेजबान सलमान खान ने कंटेस्टेंट अमाल मलिक, मालती चहर, गौरव खन्ना और अभिषेत बजाज को कड़ी फटकार लगाई। इस मौके पर खास मेहमान के तौर पर अभिनेत्री सुनीता आहूजा भी शो में शामिल हुईं, जिन्होंने अपने पति और बॉलीवुड के लोकप्रिय अभिनेता गोविंदा को लेकर एक दिलचस्प सवाल सलमान से पूछा। जब सुनीता आहूजा मंच पर आईं तो सलमान खान ने उनसे पूछा कि क्या वे शो देखती हैं। सुनीता ने जवाब दिया कि वह नियमित रूप से देखती हैं और कंटेस्टेंट कुनिका सदानंद उनकी पसंद हैं। इसके बाद सलमान ने मजाकिया अंदाज में पूछा, भाभी जी, घर में क्या हाल हैं? इस पर सुनीता ने हंसते हुए कहा, शायद आपको बेहतर पता होगा, लेकिन मैं आपसे ये पूछना आई हूं कि अपने पार्टनर को कैसे सुधारा जाए। सलमान खान ने मुस्कुराते हुए कहा, अगर उन्हें कोई सुधार सकता है तो वह सिर्फ एक ही व्यक्ति हो सकती है। सुनीता ने कहा, लगभग 40 साल हो गए, फिर भी सुधार नहीं पाया। इसलिए आपकी कुछ सलाह लेनी है। सलमान ने हंसी रोकते हुए जवाब दिया, जब हम साथ काम करेंगे तो इस पर जरूर बात करेंगे, पर कहीं ऐसा न हो कि वे मुझे ही सुधार दें। पिछले कुछ समय से खबरें चल रही थीं कि गोविंदा और सुनीता आहूजा के बीच मनमुटाव है और वे तलाक की राह पर हैं। साथ ही यह भी चर्चा थी कि गोविंदा का किसी दूसरी महिला से संबंध है। हालांकि, सुनीता ने बार-बार इन अफवाहों को गलत बताया है और अपने रिश्ते को मजबूत बताया है। उनका कहना है कि 40 साल की शादी निभाना आसान नहीं होता, लेकिन उन्होंने और गोविंदा ने साथ मिलकर इसे संजोया है। गोविंदा और सुनीता के दो बच्चे हैं कृ बेटी टीना आहूजा और बेटे यशवर्धन आहूजा। खास बात यह है कि यशवर्धन जल्द ही बॉलीवुड में कदम रखने जा रहे हैं, जो परिवार के लिए खुशी की बात है। सुनीता आहूजा की उपस्थिति ने शो में नया जोश और हल्की-फुल्की मस्ती का माहौल पैदा कर दिया। सलमान खान के साथ उनकी बातचीत ने दर्शकों का दिल जीता और शो को और भी मनोरंजक बना दिया। बिग बॉस 19 के इस सीजन को दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं और आने वाले एपिसोड में और भी रोमांचक घटनाएं देखने को मिलेंगी।

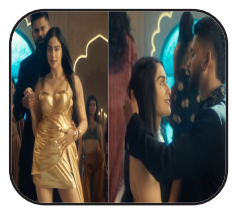

## छोटी दिवाली पर श्रेयस अय्यर ने दिया प्रशंसकों को तोहफा, अदा शर्मा के साथ बिखेरा जलवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वनडे टीम के उपकप्तान श्रेयस अय्यर ने रविवार को छोटी दिवाली के खास मौके पर प्रशंसकों को तोहफा दिया है। वह फिल्म अभिनेत्री अदा शर्मा के साथ एक गाने में नजर आए, जिसको आज ही लॉन्च किया गया है। फैंस इस पर जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। भारतीय वनडे टीम के उपकप्तान श्रेयस अय्यर ने रविवार को छोटी दिवाली के मौके पर प्रशंसकों को एक खास तोहफा दिया। वह फिल्म अभिनेत्री अदा शर्मा के साथ एक नए म्यूजिक वीडियो में नजर आए हैं, जिसे आज ही लॉन्च किया गया है। इस गाने पर फैंस जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं और सोशल मीडिया पर इसकी खूब चर्चा हो रही है। श्रेयस और अदा की केमिस्ट्री ने जीता फैंस का दिल श्रेयस अय्यर का यह म्यूजिक वीडियो एक लोकप्रिय मोबाइल गेमिंग प्लेटफॉर्म की दिवाली थीम कैंपेन का हिस्सा है। गाने का नाम 'बुलट आशिकाना' है, जिसमें श्रेयस और अदा की जबरदस्त केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। डांस मूव्स, त्योहारों का रंग और जोश से भरपूर ये गाना सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। फैंस श्रेयस अय्यर के इस नए अवतार को देखकर हैरान हैं, क्योंकि आमतौर पर मैदान पर उनके ठंडे दिमाग और सधे खेल की चर्चा होती है, लेकिन इस बार उन्होंने अपने डांस और एक्टिंग स्किल्स से सबका ध्यान खींच लिया है। वहीं, अदा शर्मा ने अपनी एनर्जी और एक्सप्रेशन से गाने को और भी आकर्षक बना दिया है।

# अमेरिका के शहरों में सड़कों पर उतरे हजारों लोग

## ट्रंप पर लगाया सत्ता के दुरुपयोग का आरोप

**वॉशिंगटन (एजेंसी)।** अमेरिका के कई शहरों में हजारों लोगों ने ट्रंप प्रशासन के 'सत्तावादी रवैये' और नीतियों के खिलाफ 'नो किंग्स' नाम के प्रदर्शनों में हिस्सा लिया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि ट्रंप लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं। जबकि रिपब्लिकन पार्टी इसे 'हेट अमेरिका' आंदोलन बताया। ये प्रदर्शन पिछले जून के बाद से तेज हुए हैं और कई संगठनों ने मिलकर इनका आयोजन किया है। अमेरिका के वॉशिंगटन और कई अन्य शहरों में हजारों लोगों ने एक साथ सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया। ये प्रदर्शन डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की नीतियों और उनके 'सत्तावादी रवैये' के खिलाफ किए गए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि ट्रंप लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर रहे हैं। हालांकि, रिपब्लिकन पार्टी ने इन प्रदर्शनों को 'हेट अमेरिका' आंदोलन करार दिया है, यानी अमेरिका से नफरत करने वालों का आंदोलन। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, इन प्रदर्शनों के आयोजकों ने कहा कि दिन खत्म होने तक लाखों लोग अमेरिका के बड़े शहरों, छोटे कस्बों में इन प्रदर्शनों में शामिल हो सकते हैं। यहां तक कि विदेश के कुछ शहरों में भी इन प्रदर्शनों के समर्थन में लोग सड़कों पर उतर सकते हैं। जून के महीने में 'नो किंग्स' नाम से पहला बड़ा प्रदर्शन हुआ था। अब यह आंदोलन फिर से तेज हो गया है, क्योंकि ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में कुछ विवादित फैसले लिए हैं। इनमें राजनीतिक विरोधियों पर आपराधिक मामले चलाना, प्रवासियों पर छापेमारी और कई अमेरिकी शहरों में संघीय बलों की तैनाती शामिल है। वॉशिंगटन में प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर रैलियां निकालीं और अमेरिकी संसद भवन की ओर बढ़े। रॉयटर्स के मुताबिक, प्रदर्शन का माहौल एक त्योहार जैसा दिखा। लोग हाथों में पोस्टर, अमेरिकी झंडे और गुब्बारे लिए हुए थे। कुछ लोग तो खास तरह की पोशाकें पहनकर भी आए थे। केवल वॉशिंगटन ही नहीं, बल्कि न्यूयॉर्क, बोस्टन, शिकागो और अटलांटा जैसे शहरों में भी इन रैलियों में काफी संख्या में लोग जुटे। एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि वह लोकतंत्र और न्याय के लिए यहां खड़े हैं। उन्होंने कहा कि वह सत्ता के दुरुपयोग के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। मैं कोई राजा नहीं हूं: डोनाल्ड ट्रंप ट्रंप ने प्रदर्शनों के शुरू होने के बाद कोई बयान नहीं दिया। लेकिन इससे पहले उन्होंने इन रैलियों पर टिप्पणी करते हुए कहा था- वे मुझे राजा कह रहे हैं, लेकिन मैं कोई राजा नहीं हूं। फॉक्स बिजनेस के साथ एक इंटरव्यू में ट्रंप ने यह बयान दिया था। इन रैलियों का आयोजन 'इंडिविजिबल' नाम के संगठन ने किया है। इसके सह-संस्थापक लिया ग्रीनबर्ग के अनुसार, करीब 300 छोटे-बड़े सामाजिक संगठनों ने मिलकर इन प्रदर्शनों को आयोजित किया है।

## तिरप जिले में असम राइफल्स ने अगवा दो मजदूरों को छुड़ाया, उग्रवादियों का अपहरण का प्रयास नाकाम

**ईटानगर (एजेंसी)।** अरुणाचल प्रदेश के तिरप जिले में असम राइफल्स ने त्वरित और समन्वित अभियान चलाकर एनएससीएन-के (रिबेल) के कब्जे से दो अगवा मजदूरों को सकुशल छुड़ा लिया। यह घटना 18 अक्टूबर को दादम सर्कल के लाहो गांव में हुई थी, जब उग्रवादियों ने निर्माण स्थल से दोनों मजदूरों का अपहरण कर

लिया था। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, खुफिया जानकारी मिलते ही असम राइफल्स की टुकड़ियां तुरंत सक्रिय हुईं और नीयानू क्षेत्र में एक सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। तलाशी के दौरान उग्रवादियों ने सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद जवानों ने संयम और पेशेवर दक्षता का परिचय देते हुए जवाबी कार्रवाई की। नियंत्रित और सटीक प्रतिक्रिया के चलते दोनों मजदूरों को बिना किसी नुकसान के छुड़ा लिया गया। बचाए गए व्यक्तियों को चिकित्सीय जांच और आवश्यक सहायता के लिए खोंसा लाया जा रहा है। सुरक्षा बलों ने बताया कि क्षेत्र में तलाशी और सैनिटाइजेशन अभियान अब भी जारी है ताकि भागे हुए उग्रवादियों को पकड़ा जा सके और किसी भी संभावित गतिविधि को रोका जा सके।

# पुणे कॉलेज ने जातिगत पक्षपात के दावे को किया खारिज

## पूर्व छात्र ने कहा- जाति के कारण चली गई नौकरी

**मुंबई (एजेंसी)।** पुणे के मॉडर्न कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स पर जातीय भेदभाव के आरोपों को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। पूर्व छात्र प्रेम बिरहाड़े ने आरोप लगाया है कि कॉलेज ने जाति के आधार पर उनके नौकरी सत्यापन पत्र (वेरिफिकेशन) को रोका, जिसके चलते उन्हें लंदन की एक कंपनी में नौकरी का अवसर गंवाना पड़ा। वहीं, कॉलेज प्रशासन ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा है कि न तो किसी प्रकार का भेदभाव हुआ और न ही छात्र की नौकरी गई है। दरअसल, बिरहाड़े, जो मॉडर्न कॉलेज में बीबीए के छात्र रह चुके हैं, ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर आरोप लगाया कि जब उन्होंने कॉलेज से नौकरी वेरिफिकेशन लेटर भेजने की मांग की, तो अधिकारियों ने उनसे उनकी जाति पूछी। उन्होंने कहा कि मैंने 2020 से 2023 तक कॉलेज में पढ़ाई की। मुझे लंदन की एक कंपनी में नौकरी मिली थी। कंपनी ने कॉलेज से वेरिफिकेशन मांगा, लेकिन कॉलेज ने जानबूझकर इसे रोका, क्योंकि मैं अनुसूचित जाति से हूं और बौद्ध धर्म का अनुयायी हूं। छात्र का दावा और सियासी प्रतिक्रिया बिरहाड़े के इस आरोप ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया। एनसीपी (शरद पवार गुट) के नेता और विधायक रोहित पवार ने कॉलेज प्रशासन पर मनुवादी मानसिकता का आरोप लगाते हुए कहा कि इस घटना ने संस्थान की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा कि अगर सत्यापन में देरी के कारण एक युवा की नौकरी चली गई, तो यह अन्याय है। कॉलेज को छात्र से माफी मांगनी चाहिए और ऐसी गलती दोबारा नहीं होनी चाहिए। कॉलेज प्रशासन का स्पष्टीकरण कॉलेज के उपप्राचार्य श्यामकांत देशमुख ने कहा कि बिरहाड़े के आरोप निराधार हैं। उन्होंने बताया कि प्रेम बिरहाड़े को पहले ही पढ़ाई पूरी करने के बाद सिफारिश पत्र दिया जा चुका था। लंदन की कंपनी ने 30 सितंबर को ईमेल भेजकर वेरिफिकेशन मांगा था, जिसमें कोई समयसीमा तय नहीं थी। कॉलेज ने 14 अक्तूबर को विधिवत प्रमाणपत्र और आवश्यक जानकारी भेज दी। देशमुख ने यह भी कहा कि कॉलेज में 50 हजार से अधिक छात्र विभिन्न सामाजिक पृष्ठभूमियों से पढ़ते हैं, और यहां कभी भेदभाव की शिकायत नहीं हुई। तकनीकी देरी और प्रक्रिया कॉलेज का कहना है कि ईमेल में मांगी गई जानकारी नौकरी प्रोफाइल से जुड़ी विशेष श्रेणी एविएशन सेक्टर से संबंधित थी, इसलिए डेटा तैयार करने में थोड़ा समय लगा। देशमुख ने कहा कि चूंकि यह पहली बार था जब हमें किसी विदेशी नियोक्ता से ऐसी वेरिफिकेशन रिक्वेस्ट मिली थी, इसलिए सावधानी बरतनी पड़ी। सटीक जानकारी जुटाने के बाद ही जवाब भेजा गया। इस बीच, कॉलेज प्रशासन ने दावा किया है कि बिरहाड़े की नौकरी नहीं गई है, बल्कि उनकी नियुक्ति प्रक्रिया जारी है। वहीं, रोहित पवार ने कॉलेज प्रशासन से आग्रह किया है कि छात्र को न्याय मिले और संस्था ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए पारदर्शी प्रक्रिया विकसित करे। मामला अब सामाजिक और राजनीतिक दोनों स्तरों पर चर्चा में है।

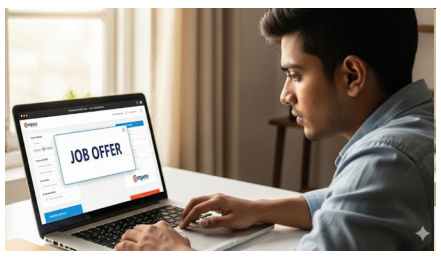


## चीन ने अमेरिकी एजेंसी पर लगाया साइबर हमले करने का आरोप, कहा- राष्ट्रीय समय सेवा केंद्र को बनाया निशाना

**बीजिंग (एजेंसी)।** चीन ने अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी पर उसके राष्ट्रीय समय सेवा केंद्र पर साइबर

हमला करने का आरोप लगाया है। बीजिंग ने कहा कि इससे जरूरी सेवाओं के क्षेत्र में संकट आ सकता था। उसने दावा किया कि अमेरिका ने एक मोबाइल ब्रांड की कमजोरियों का फायदा उठाकर संवेदनशील डाटा चुराया और 42 तरह के साइबर हथियारों से हमले किए। चीन ने रविवार को अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनएसए) पर उसके राष्ट्रीय समय सेवा केंद्र पर साइबर हमला करने का आरोप लगाया। चीन के मुताबिक, इस हमले से नेटवर्क संचार, वित्तीय प्रणाली और बिजली आपूर्ति जैसे अहम क्षेत्रों में बड़ा संकट पैदा हो सकता था। चीन के राज्य सुरक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'वीचैट' पर पोस्ट कर दावा किया कि एनएसए ने एक विदेशी मोबाइल फोन ब्रांड की मैसेजिंग सेवाओं की कमजोरियों का फायदा उठाकर 2022 में समय केंद्र के कर्मचारियों के उपकरणों से संवेदनशील जानकारी चुराई। हालांकि, मंत्रालय ने उस ब्रांड का नाम नहीं बताया। लड़ाकू विमान से कीचड़ फेंका मंत्रालय ने यह भी आरोप लगाया कि अमेरिकी एजेंसी ने 2023 से 2024 के बीच इस केंद्र की कई आंतरिक नेटवर्क प्रणालियों को निशाना बनाने के लिए 42 प्रकार के विशेष साइबर हमले के हथियारों का इस्तेमाल किया और एक अहम समय प्रणाली में घुसपैठ की कोशिश की। चीन ने कहा कि उसके पास इसके सबूत हैं। हालांकि, उसने पोस्ट में कोई प्रमाण सार्वजनिक नहीं किया। मंत्रालय ने बताया कि यह समय केंद्र चीन के मानक समय को तैयार और वितरित करने की जिम्मेदारी निभाता है और इसका उपयोग संचार, वित्त, ऊर्जा, परिवहन और रक्षा जैसे क्षेत्रों में किया जाता है। सरकार ने केंद्र को सुरक्षा खतरे दूर करने के लिए निर्देश भी दिए हैं। पोस्ट में कहा गया, अमेरिका वही काम खुद करता है और दूसरों पर आरोप लगाता है। वह बार-बार चीनी साइबर खतरों का झूठा प्रचार करता है। पश्चिमी देशों ने हाल के वर्षों में आरोप लगाए हैं कि चीनी सरकार से जुड़े हैकर्स ने अधिकारियों, पत्रकारों, कंपनियों और अन्य संस्थाओं को निशाना बनाया है।

## ट्रंप ने साझा किया एआई से बना वीडियो, 'नो किंग्स' आंदोलनकारियों पर लड़ाकू विमान से कीचड़ फेंका

**वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक एआई वीडियो साझा किया, जिसमें वह 'किंग ट्रंप' लिखे लड़ाकू विमान से 'नो किंग्स' प्रदर्शनकारियों पर कीचड़ फेंकते दिख रहे हैं। इस आंदोलन में ट्रंप प्रशासन के खिलाफ अमेरिका के 2,700 से अधिक शहरों में 70 लाख से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया। विरोध

के बीच व्हाइट हाउस ने ट्रंप की सम्राट के रूप में तस्वीर भी साझा की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को एक आर्टिफिशियल इंटैलिजेंस (एआई) से बना वीडियो साझा किया, जिसमें वह खुद एक लड़ाकू विमान उड़ाते दिख रहे हैं। उस विमान पर 'किंग ट्रंप' लिखा हुआ है और वह न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर जैसी जगह पर उन लोगों पर कीचड़ गिरा रहे हैं, जो 'नो किंग्स' आंदोलन कर रहे हैं। 19 सेकंड के इस वीडियो को ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर डाला। इसमें वह अमेरिकी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैरी सिसन और बाकी प्रदर्शनकारियों पर ऊपर से कीचड़ फेंकते नजर आते हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, 'नो किंग्स' प्रदर्शन में लगभग 70 लाख लोग शामिल हुए। यह प्रदर्शन अमेरिका के 2,700 से ज्यादा शहरों और कस्बों में फैला, जहां लोगों ने ट्रंप प्रशासन और उसकी नीतियों के खिलाफ जोरदार विरोध जताया। यह संख्या जून में हुए पहले 'नो किंग्स' प्रदर्शन से 20 लाख ज्यादा है। पुलिस के मुताबिक, ये प्रदर्शन ज्यादातर शांतिपूर्ण रहे और किसी बड़े झड़प या गिरफ्तारी की खबर नहीं है। सीएनएन ने बताया कि ट्रंप की सख्त आव्रजन नीति का केंद्र शिकागो में लोगों ने 'हैंड्स ऑफ शिकागो' जैसे पोस्टर लेकर और उल्टे अमेरिकी झंडे व मैक्सिकन और प्राइड झंडे लहराकर प्रदर्शन किया।

# हिंदू लड़की की अपहरण के बाद धर्म परिवर्तन कराकर बुजुर्ग से कराई गई शादी, पिता ने की जांच की मांग

**कराची/पेशावर (एजेंसी)।** पाकिस्तान के सिंध में एक बहरी-गूंगी हिंदू नाबालिग लड़की इस्लाम कबूलने और शादी का दावा करते हुए मीडिया के सामने आई, जबकि उसके परिवार ने अपहरण का आरोप लगाया है। लड़की एक हफ्ते से गुमशुदा थी। लड़की के पिता और हिंदू संगठन ने स्वतंत्र जांच की मांग कर रहे हैं। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में एक सुनने और बोलने में अक्षम हिंदू नाबालिग अब मीडिया के सामने आई है। नाबालिग लड़की एक हफ्ते से अधिक समय से गुमशुदा थी। उसके पास कथित तौर पर इस्लाम धर्म अपनाने का प्रमाण पत्र था और उसने खुद से कई साल बड़े मुसलमान व्यक्ति से शादी करने का दावा किया है। यह नाबालिग बदीन जिले के कोरोहा कस्बे की रहने वाली है और करीब नौ दिन पहले लापता हो गई थी। उसके माता-पिता ने स्थानीय पुलिस थाने में अपहरण की शिकायत दर्ज करवाई थी। शनिवार को यह नाबालिग बदीन प्रेस क्लब में अपने कथित पति के साथ मीडिया के सामने आई। वहां उसकी तस्वीरें ली गईं, जिनमें वह धर्म परिवर्तन का प्रमाण पत्र पकड़े हुई थी। लड़की के पिता ने सवाल उठाते हुए कहा कि एक बहरी-गूंगी नाबालिग लड़की कैसे एक ऐसे व्यक्ति से शादी के लिए सहमति दे सकती है, जो नशे का कारोबारी है और जिसकी पहले से सात बेटियां हैं। दारावर इत्तेहाद पाकिस्तान नामक संगठन के प्रमुख शिवा कच्छी ने कहा कि लड़की का अपहरण किया गया है, लेकिन पुलिस ने परिवार की शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की। यह संगठन हिंदुओं और अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए काम करता है। शिवा कच्छी ने कहा, हमने अपने वकीलों से इस मामले को आगे बढ़ाने की बात की है, क्योंकि हमें नहीं लगता कि लड़की ने यह सब अपनी मर्जी से किया होगा। उन्होंने बताया कि उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को पत्र लिखकर स्वतंत्र जांच की मांग की है। दिवाली से पहले सुरक्षा बढ़ाई गई पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में प्रशासन ने हिंदू त्योहार दिवाली के शांतिपूर्ण आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए राजधानी पेशावर और उसके आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि त्योहार को देखते हुए विशेष सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। पेशावर के प्रमुख स्थानों पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है और विशेष टीमें दिन-रात गश्त और निगरानी कर रही हैं। सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। मंदिरों और अन्य संवेदनशील जगहों के आसपास निगरानी बढ़ा दी गई है ताकि त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से मनाया जा सके। पुलिस, जिला प्रशासन और खुफिया एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रही है, ताकि कोई भी अप्रिय घटना न हो और हिंदू समुदाय दिवाली को बिना डर के मना सके। इस बीच, त्योहार की तैयारियां जोरों पर हैं। हिंदू समुदाय के लोग मंदिरों और घरों को दीयों, फूलों और पारंपरिक सजावटों से सजा रहे हैं। कई मंदिरों में विशेष पूजा-पाठ, धार्मिक अनुष्ठान और सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अधिकारियों ने यह भी बताया कि पेशावर के आसपास के जिलों में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। शहर के अंदर और बाहर आने-जाने वाले रास्तों पर चेकपोस्ट बनाकर निगरानी की जा रही है।

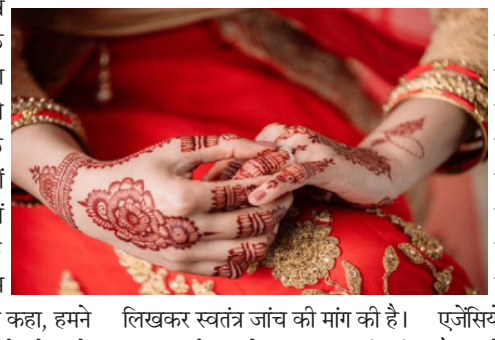

## 'कम से कम 25 हजार अमेरिकी मारे जाते', ट्रंप ने कैरेबियाई क्षेत्र में पनडुब्बी को निशाना बनाने को सराहा

**वॉशिंगटन (एजेंसी)।** ट्रंप ने लिखा कि पनडुब्बी पर चार तस्कर सवार थे, जिनमें से दो अमेरिकी हमले में मारे गए और बाकी दो को हिरासत में लेकर उनके मूल देश कोलंबिया और इक्वाडोर भेजा जा रहा है। अमेरिकी ने कैरेबियाई जल क्षेत्र में एक संदिग्ध पनडुब्बी को निशाना बनाया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को बताया कि इस पनडुब्बी से फेंटानिल ड्रग की अमेरिका में तस्करी की जा रही थी। उन्होंने बताया कि अमेरिकी हमले में ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि अमेरिका दो संदिग्ध ड्रग तस्करों को उनके मूल देश इक्वाडोर और कोलंबिया वापस भेज रहा है। '25 हजार अमेरिकियों की होती मौत' ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर साझा

एक पोस्ट में लिखा, 'एक बड़े पैमाने पर ड्रग ले जाने वाली पनडुब्बी को नष्ट करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात थी। यह पनडुब्बी एक जाने-माने मादक पदार्थों की तस्करी के रास्ते से अमेरिका की ओर आ रही थी।' उन्होंने आगे कहा कि यह पनडुब्बी फेंटेनाइल और अन्य ड्रग्स से भरी हुई थी। ट्रंप ने लिखा कि पनडुब्बी पर चार तस्कर सवार थे, जिनमें से दो अमेरिकी हमले में मारे गए और बाकी दो को हिरासत में लेकर उनके मूल देश कोलंबिया और इक्वाडोर भेजा जा रहा है। अगर यह पनडुब्बी अमेरिका पहुंच जाती तो इसमें मौजूद ड्रग्स से कम से कम 25 हजार अमेरिकी लोगों की मौत होती। अमेरिका ने नहीं दिया कोई सबूत कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने भी एक कोलंबियाई संदिग्ध को अमेरिका से वापस भेजे जाने की पुष्टि की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि 'हमें खुशी है कि वह जिंदा है और उस पर कानून के मुताबिक मुकदमा चलाया जाएगा।'

# चेंग ली-वुन बनीं मुख्य विपक्षी पार्टी की अध्यक्ष, पांच उम्मीदवारों को हराया

## नवंबर में संभालेगी पद

**ताइपे (एजेंसी)।** ताइवान की मुख्य विपक्षी नेशनलिस्ट पार्टी (केएमटी) ने पूर्व सांसद चेंग ली-वुन को नया अध्यक्ष चुना। केएमटी को पिछले तीन राष्ट्रपति चुनावों में हार का सामना करना पड़ा है, लेकिन उसकी राजनीति में मजबूत पकड़ बनी हुई है। चेंग नवंबर में पद संभालेंगी। ताइवान की मुख्य विपक्षी 'नेशनलिस्ट पार्टी' ने शनिवार को एक कड़े मुकाबले के बाद पूर्व सांसद चेंग ली-वुन को अपना नया अध्यक्ष चुना। इस चुनाव में चीन की दखलंदाजी के आरोप लग रहे थे। चुनाव में एकमात्र महिला उम्मीदवार चेंग ली-वुन ने सबसे ज्यादा मत हासिल किए। वह खुद को एक बदलावकारी नेता के रूप में पेश कर रही थीं। उन्होंने ताइपे के पूर्व मेयर हाउ लुंग-बिन और चार अन्य उम्मीदवारों को हराया। यह पार्टी चीन के साथ करीबी संबंधों के लिए जानी जाती है और इसे केएमटी के नाम से भी जाना जाता है। हालांकि, पार्टी को पिछले तीन बार के राष्ट्रपति चुनावों में आजादी समर्थक सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक

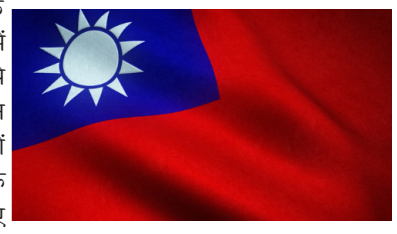

प्रोग्रेसिव पार्टी (डीपीपी) से हार का सामना करना पड़ा है। फिर भी केएमटी की ताइवान की राजनीति में मजबूत पकड़ बनी हुई है। पार्टी के पास संसद में इतनी सीटें हैं कि वह अपने सहयोगियों के साथ मिलकर बहुमत वाला गठबंधन बना सकती है। कुछ महीने पहले हुए पुनचुर्नाव में भी केएमटी को जीत मिली थी। यह चुनाव उस समय लाए गए कुछ कानूनों के खिलाफ विरोध के चलते हुए थे। ये कानून राष्ट्रपतिकी शक्तियों को कम करने और चीन के पक्ष में माने जा रहे थे। चेंग नवंबर में अपना पद संभालेंगी और उनके आने से यह तय होगा कि ताइवान चीन के साथ अपने संबंधों को किस दिशा में ले जाएगा। इसके अलावा, वह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय नीतियों पर भी असर डालेंगी। वह पार्टी की 2026 के स्थानीय चुनावों में अगुवाई करेंगी। साथ ही, पार्टी 2028 में राष्ट्रपति लाई चिंग-ते के खिलाफ भी उम्मीदवार उतारेगी।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।